दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
वेलकम इंडिया
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 196 | शनिवार, 25 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

विशेष रिपोर्ट: इलाज नहीं, ये तो खुली लूट है!

गाजियाबाद में डॉक्टरों की फीस का 'माफिया राज': ₹200 से सीधे ₹2000! क्या सो रहा है स्वास्थ्य विभाग?

कंसल्टेशन ₹700, इमरजेंसी ₹1400 और होम विजिट के ₹2000... आम आदमी की जेब पर डाका

नंबर पहले लगाने का 'कंपाउंडर कट': आवाज उठाने पर मरीजों से बदसलूकी और गाली-गलौज

कट-प्रैक्टिस का खेल: मनमाने टेस्ट और महंगे पैथोलॉजी लैब से कमीशन का तगड़ा नेक्सस

इनकम टैक्स की आंखों में धूल: न कोई पक्की रसीद, न कोई हिसाब-सालाना करोड़ों की काली कमाई

ललित शर्मा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्या इस देश में बीमार पड़ना अब कोई ऐसा गुनाह हो गया है जिसकी सजा सिर्फ तबाही और कंगाली है? यदि आप गाजियाबाद में रहते हैं और आपके परिवार में कोई बीमार पड़ जाए, तो अस्पताल जाने से पहले अपनी जेब का वजन नाप लीजिए। गाजियाबाद में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर एक ऐसा संगठित ढांचा खड़ा हो चुका है, जहां मरीजों की मजबूरी का सौदा हर रोज खुलेआम होता है। कभी ₹200 रुपये में परामर्श देने वाले डॉक्टरों की फीस आज 10 गुना तक बढ़कर आसमान छू रही है। लेकिन सबसे बड़ा और चुभता हुआ सवाल यह है कि गाजियाबाद का स्वास्थ्य विभाग और मुख्य चिकित्सा अधिकारी क्या अपनी आंखें मूंदकर किसी बड़े अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं?

फीस का नया गणित, इलाज या जेब पर डकैती?

गाजियाबाद के पॉश इलाकों से लेकर सामान्य कॉलोनियों तक, क्लिनिक चला रहे डॉक्टरों और निजी अस्पतालों ने अपनी फीस का ऐसा 'टैरिफ चार्ट' तैयार कर लिया है, जिसे देखकर कोई भी सामान्य नागरिक दहल जाए

सेवा का प्रकार	पहले की औसतन फीस	वर्तमान मनमानी फीस	वृद्धि का प्रतिशत
सामान्य कंसल्टेशन	₹150 - ₹200	₹700	350% से अधिक
इमरजेंसी परामर्श	₹300 - ₹400	₹1,400	350% से अधिक
होम विजिट फीस	₹500	₹2,000	400%

यह तो सिर्फ टेबल पर बैठने की फीस है। दवाई, जांच और अन्य चार्ज अलग से हैं। एक दिहाड़ी मजदूर या मध्यमवर्गीय व्यक्ति, जो महीने के 15 से 20 हजार रुपये कमाता है, वह अगर दो बार किसी डॉक्टर के क्लिनिक चला जाए, तो उसकी आधी कमाई सिर्फ पर्चा बनवाने में निकल जाती है।

कंपाउंडर कट' और नंबर गेम: दलाली का अड्डा

यदि आप सोचते हैं कि फीस चुकाकर आपको सही समय पर इलाज मिल जाएगा, तो आप मुगालते में हैं। गाजियाबाद के एक बड़े क्लिनिक का नजारा ये होता है कि बाहर मरीजों की भारी भीड़ लगी है। कोई दर्द से तड़प रहा है तो किसी बुजुर्ग की सांसें फूल रही हैं। ऐसे में क्लिनिक का कंपाउंडर 'मसीहा' और 'माफिया' दोनों की भूमिका में आ जाता है।

पैसे दो, नंबर पहले पाओ: अगर आपको डॉक्टर के पास तुरंत जाना है, तो नियम-कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। कंपाउंडर को ₹ 200 या ₹ 500 की 'चाय-पानी' दीजिए, और आपका नंबर सीधे टॉप पर आ जाएगा।

विरोध करने पर बदसलूकी: जब कोई शरीफ मरीज या उसका रिश्तेदार इस पक्षपात पर सवाल उठाता है, तो कंपाउंडर और क्लिनिक का स्टाफ मिलकर उसके साथ अभद्रता करता है। यहां तक कि इलाज न करने और बाहर निकालने की धमकियां दी जाती हैं।

डॉक्टर की मौन सहमति: सबसे शर्मनाक बात ये है कि, डॉक्टर को अपने इस स्टाफ के कारनामों की पूरी जानकारी होती है। सालों से जमे ये कंपाउंडर डॉक्टर के 'कैश मैनेजर' होते हैं। डॉक्टर को पता होता है कि कंपाउंडर की इस ऊपरी कमाई से क्लिनिक का माहौल भले खराब हो, लेकिन उनका अपना आर्थिक हित सध रहा है।

'कट-प्रैक्टिस' और अनपेक्षित टेस्ट्स का मकड़जाल

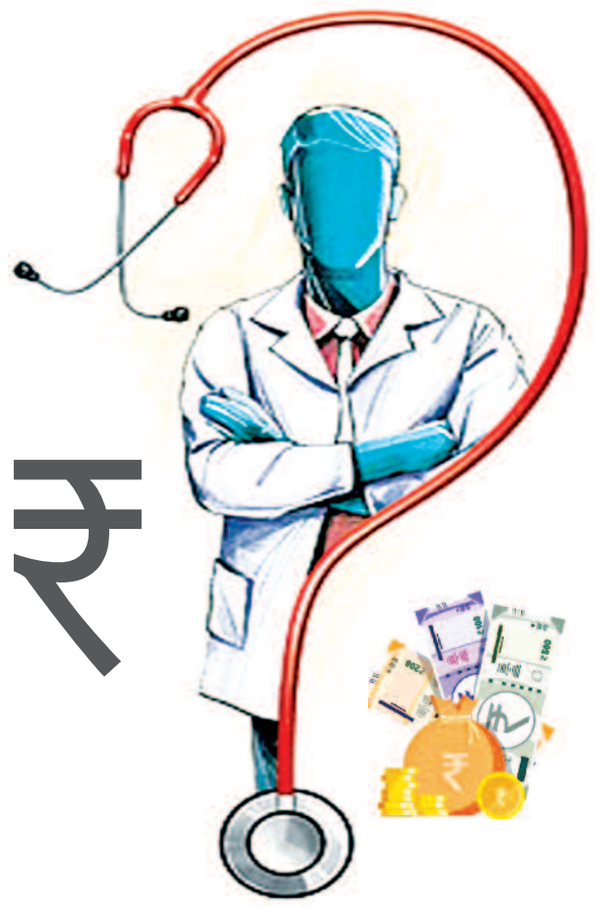

डॉक्टर की फीस तो बस पहला झटका है। क्लिनिक में कदम रखते ही मरीज को 'जांच के मकड़जाल' में फंसाया जाता है। हल्का सा बुखार है? ब्लड टेस्ट कराओ, सीटी स्कैन कराओ, अल्ट्रासाउंड कराओ और हां... जांच सिर्फ उसी ` डायग्नोस्टिक सेंटर से होनी चाहिए, ये कोई डॉक्टर का परामर्श नहीं, बल्कि कमीशनखोरी की एक सुव्यवस्थित चेन है।

30% से 50% का कट: डॉक्टर जिस डायग्नोस्टिक लैब का नाम लिखकर देते हैं, वहां से उन्हें हर जांच पर 30 से 50 फीसदी तक का कमीशन सीधे उनके खातों या नकद में पहुंचता है।

ब्रांडेड दवाओं का दबाव: पर्चे पर ऐसी दवाएं लिखी जाती हैं जो केवल क्लिनिक के नीचे बनी खास केमिस्ट शॉप पर ही मिलती हैं। जेनेरिक और सस्ती दवाओं का नाम लिखना तो जैसे डॉक्टरों ने अपने धर्म के खिलाफ मान लिया है।

टैक्स कानून की हकीकत: GST और Income Tax का घालमेल

कई लोगों के मन में यह भ्रम रहता है कि डॉक्टरों की फीस पर GST क्यों नहीं लगता। कानूनी और तकनीकी हकीकत ये है कि भारत में जीएसटी (GST) अधिनियम के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को जीएसटी से छूट प्राप्त है। यानी डॉक्टर अपनी फीस पर मरीज से जीएसटी नहीं वसूलते।

लेकिन यहीं से शुरू होता है असली 'काली कमाई' का खेल!

जब सेवाओं पर जीएसटी नहीं है, तो डॉक्टर को हर मरीज को दी गई सेवा का पारदर्शी हिसाब रखना चाहिए। परंतु गाजियाबाद के अधिकतर क्लिनिकों में

कच्चे पर्चे का खेल: मरीज को फीस देने के बाद कोई पक्की GST/TIN नंबर वाली टैक्स रसीद या लीगल इनवॉइस नहीं दी जाती। एक सादे कागज के टुकड़े पर दवाइयां लिख दी जाती हैं।

कैश में वसूली: फीस का 90% हिस्सा सिर्फ नकद के रूप में लिया जाता है ताकि इसे खातों में दशार्या ही न जा सके।

इनकम टैक्स की चोरी: जब नकद कमाई का कोई रिकॉर्ड नहीं बनता, तो यह सीधे तौर पर आयकर अधिनियम का उल्लंघन है। रोजाना 50 से 100 मरीज देखने वाले डॉक्टर प्रतिदिन ₹50,000 से ₹1,000,000 तक नकद वसूलते हैं, जिसका बड़ा हिस्सा ब्लैक मनी बन जाता है। क्या इनकम टैक्स विभाग का 'इन्वेस्टिगेशन विंग' कभी इन ऐसी क्लिनिकों के बाहर खड़ी लंबी कतारों और नकद के लेन-देन की सुध लेगा?

स्वास्थ्य विभाग का निकम्मापन: कुंभकर्णी नींद में प्रशासन

अब आते हैं सबसे अहम सवाल पर, गाजियाबाद का स्वास्थ्य विभाग और सीएमओ ऑफिस क्या कर रहा है? क्या स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को क्लिनिकों के बाहर लगे मनमाने फीस के बोर्ड नहीं दिखते? या फिर सब कुछ जानकर अनजान बने रहने का कोई बहुत बड़ा नजराना इन तक नियमित रूप से पहुंच रहा है? क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट का उल्लंघन: नियम कहते हैं कि हर क्लिनिक और अस्पताल को अपनी फीस, सेवाओं की दरें और डॉक्टरों की योग्यता का बोर्ड स्वागत कक्ष पर स्पष्ट रूप से लगाना अनिवार्य है। लेकिन गाजियाबाद में इसका पालन शून्य के बराबर है।

शिकायत निवारण प्रणाली की मौत: यदि कोई मरीज अत्यधिक फीस या अभद्रता की शिकायत लेकर स्वास्थ्य विभाग जाता है, तो फाइलें धूल फांकती रहती हैं। कोई कड़ा निरीक्षण नहीं होता, किसी क्लिनिक का लाइसेंस रद्द नहीं किया जाता।

लापरवाही का आलम: सरकारी अस्पतालों में भीड़ की वजह से मजबूरन आम जनता को इन प्राइवेट धन्वंतरियों की शरण में जाना पड़ता है। क्या स्वास्थ्य विभाग जानबूझकर प्राइवेट मेडिकल लॉबी को फलने-फूलने का मौका दे रहा है? यह सिर्फ गाजियाबाद नहीं, पूरे देश का नासूर है गाजियाबाद तो बस एक बानगी है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर देश के छोटे-छोटे जिलों तक, चिकित्सा अब 'सेवा' नहीं बल्कि 'शुद्ध मुनाफा कमाने वाला कॉरपोरेट धंधा' बन चुकी है। जब तक चिकित्सा सेवाओं को केवल बाजार के भरोसे छोड़ा जाएगा, तब तक देश की एक बड़ी आबादी सिर्फ एक बीमारी के कारण गरीबी रेखा के नीचे धकेल दी जाएगी। एक गरीब बाप अपने बच्चे का इलाज कराने के लिए अपनी जमीन, गहने और जीवन भर की पूंजी दांव पर लगाने को मजबूर है।

क्या होना चाहिए सुधार? ठोस कानूनी और प्रशासनिक कदम

यदि सरकार और प्रशासन वास्तव में जनता के प्रति जवाबदेह हैं, तो उन्हें तुरंत कड़े कदम उठाने होंगे:

क) कानूनी ढांचा और सख्त नियम

फीस की ऊपरी सीमा: सरकार को डॉक्टरों की शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के आधार पर फीस की एक अधिकतम सीमा तय करनी चाहिए। ₹700 और ₹2000 जैसी मनमानी वसूली पर तुरंत रोक लगे।

अनिवार्य डिजिटल बिलिंग: हर क्लिनिक के लिए डिजिटल बिलिंग और आयकर से जुड़ा पैन/टैन दर्ज करना अनिवार्य किया जाए। हर मरीज को पक्की प्रिंटेड रसीद मिलना उसका कानूनी अधिकार बने।

ख) अस्पतालों और क्लिनिकों में व्यवस्थागत सुधार

टोकन और डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम: कंपाउंडरों के 'कट–सिस्टम' को खत्म करने के लिए हर क्लिनिक में डिजिटल टोकन सिस्टम अनिवार्य किया जाए, जहां स्क्रीन पर मरीज का नंबर दिखे।

सीसीटीवी और शिकायत बॉक्स: क्लिनिक के रिसेप्शन और वेटिंग एरिया में सीसीटीवी कैमरे और स्वास्थ्य विभाग का एक सीधा 'क्यूआर कोड/हेल्पलाइन नंबर' बोर्ड पर लिखा हो, ताकि अभद्रता या अवैध वसूली की शिकायत तुरंत दर्ज हो सके।

ग) स्वास्थ्य विभाग की जवाबदेही

निजी क्लिनिकों का सरप्राइज ऑडिट: सीएमओ फ्लाइंग स्क्वाड बनाए जो बिना बताए क्लिनिकों में जाकर फीस बोर्ड, बिलिंग प्रक्रिया और मरीजों की सुविधाओं का औचक निरीक्षण करे।

कमीशनखोरी पर बैन: 'कट–प्रैक्टिस' में संलिप्त पाए जाने वाले डॉक्टरों का मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन रद्द करने की व्यवस्था बने। डॉक्टर को समाज में 'भगवान का दर्जा' दिया गया है। लेकिन जब भगवान ही सौदागर बन जाए और व्यवस्था उसकी ढाल बन जाए, तो जनता कहां जाए? गाजियाबाद की जनता अब तंग आ चुकी है। स्वास्थ्य विभाग और आयकर विभाग को अपनी कुंभकर्णी नींद त्यागनी होगी। अगर अब भी इन बेलगाम डॉक्टरों और उनके गुर्गों पर लगाम नहीं कसी गई, तो जनता का इस पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा। सवाल साफ है, क्या शासन–प्रशासन में इतना साहस है कि वह इस मेडिकल माफिया के गिरेबान पर हाथ डाल सके?

संपादक की कलम से

जल संकट का असंतुलित प्रबंधनः अस्तित्व पर मंडराता खतरा

ललित शर्मा
संपादक

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है। भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है।

छात्र आंदोलन की आड़ में राजनीतिक अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद

एन0के0शर्मा
लेखक

छात्र आंदोलन लोकतंत्र की सबसे स्वाभाविक और शक्तिशाली अभिव्यक्तियों में से एक हैं। जब युवा सड़कों पर उतरते हैं, तो वे केवल अपनी समस्याओं का विरोध नहीं कर रहे होते; वे उस व्यवस्था से प्रश्न पूछ रहे होते हैं, जो उनके वर्तमान का निर्धारण करती है और भविष्य का वादा करती है। शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, छात्रवृत्ति, फीस, अवसरों की समानता और प्रशासनिक पारदर्शिता से जुड़े प्रश्न किसी भी सभ्य लोकतंत्र में गंभीर प्रश्न होते हैं। इन पर छात्रों का आवाज उठाना न केवल उनका अधिकार है, बल्कि लोकतंत्र की सेहत का प्रमाण भी है।

लेकिन हर छात्र आंदोलन स्वतः पवित्र नहीं होता और हर राजनीतिक हस्तक्षेप स्वतः जनहितकारी नहीं होता। हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि छात्रों की वास्तविक समस्याएं धीरे-धीरे राजनीतिक दलों के लिए अवसर में बदलती जा रही हैं। छात्र का आक्रोश वास्तविक है, लेकिन उसे भुनाने वाली राजनीति अक्सर अत्यंत कृत्रिम, अवसरवादी और निर्लज्ज होती है। छात्र संघर्ष करता है, राजनीतिक दल उसके संघर्ष की तस्वीर खिंचवाता है। छात्र गिरफ्तार होता है, नेता बयान जारी करता है। छात्र का भविष्य संकट में पड़ता है, राजनीतिक दल को सुर्खियां मिलती हैं। आंदोलन समाप्त होते ही नेता अपने वातानुकूलित दफ्तरों में लौट जाते हैं और छात्र फिर उसी बेरोजगारी, उसी फीस, उसी परीक्षा अनिश्चितता और उसी प्रशासनिक उदासीनता के बीच खड़ा रह जाता है। यह कैसी राजनीति है, जिसमें युवा का भविष्य केवल राजनीतिक प्रचार सामग्री बनकर रह गया है? वास्तविकता यह है कि आज अनेक राजनीतिक दल छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं से पैदा होने वाली राजनीतिक ऊर्जा चाहते हैं। बेरोजगारी उनके लिए चुनावी नारा है, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली प्रेस कॉन्फ्रेंस का विषय है, परीक्षा में अनियमितता राजनीतिक प्रदर्शन का अवसर है और छात्र आक्रोश सत्ता के विरुद्ध भीड़ जुटाने का सबसे सस्ता माध्यम। जिन राजनीतिक दलों के पास जनता के सामने अपनी उपलब्धियों का ठोस हिसाब नहीं होता, वे अक्सर युवाओं के आक्रोश को अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता का सहारा बना लेते हैं। विपक्ष में रहते हुए हर दल छात्र हितैषी बन जाता है। सत्ता में रहते हुए वही दल छात्रों की शिकायतों को 'प्रशासनिक प्रक्रिया' बताकर टालता रहा होता है। विपक्ष में बेरोजगारी राष्ट्रीय संकट होती है, सत्ता में वही बेरोजगारी आंकड़ों का खेल बन जाती है। विपक्ष में परीक्षा की एक छोटी-सी गड़बड़ी व्यवस्था के पतन का प्रमाण होती है, सत्ता में वही गड़बड़ी 'जांच का विषय' बनकर फाइलों में दफन हो जाती है। यह दोहरा चरित्र केवल राजनीतिक पाखंड नहीं, बल्कि युवाओं के साथ छल है। छात्रों को यह समझना होगा कि हर वह नेता जो आंदोलन के मंच पर उनके साथ खड़ा दिखाई देता है, आवश्यक नहीं कि वह उनके भविष्य के साथ भी खड़ा हो। राजनीति में कैमरे के सामने दिखाई देने वाली सहानुभूति और सत्ता में लिए जाने वाले निर्णयों के बीच अक्सर जमीन-आसमान का अंतर होता है। जो नेता छात्रों के साथ धरने पर बैठते हैं, वे सत्ता में पहुंचने के बाद उनसे मिलने के लिए महीनों का समय क्यों नहीं निकालते? जो बेरोजगारी पर भाषण देते हैं, वे अपने शासनकाल में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध क्यों नहीं बना सके? जो शिक्षा के अधिकार की बात करते हैं, वे शिक्षा बजट, विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और शोध के स्तर पर अपने कार्यकाल का हिसाब क्यों नहीं देते? इन प्रश्नों का उत्तर राजनीति के पास नहीं है—क्योंकि राजनीति अक्सर प्रश्नों का समाधान नहीं, प्रश्नों का प्रबंधन करना सीख चुकी है। छात्रों की ऊर्जा इस देश की सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही ऊर्जा यदि विवेक से कट जाए तो राजनीतिक अवसरवाद का सबसे आसान शिकार भी बन जाती है। युवा आदर्शवादी होता है। वह अन्याय देखकर बेचैन होता है। वह परिवर्तन चाहता है। वह नारे में विश्वास करता है क्योंकि उसे लगता है कि नारा परिवर्तन की शुरूआत है। राजनीतिक दल इसी भावनात्मक ऊर्जा को अपने पक्ष में मोड़ते हैं। छात्र को बताया जाता है कि व्यवस्था उसकी दुश्मन है, उसे संघर्ष के लिए उकसाया जाता है और फिर उसका संघर्ष किसी राजनीतिक दल की रणनीति में बदल दिया जाता है। युवा आंदोलन करता है। राजनीति उसका श्रेय लेती है। और समस्या वहीं की वहीं रहती है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि कई बार छात्र संगठन स्वयं राजनीतिक दलों के युवा संस्करण बनकर रह जाते हैं। विश्वविद्यालयों में विचार-विमर्श की जगह नारेबाजी, तर्क की जगह गुटबाजी और मुद्दों की जगह दलगत वफादारी ले लेती है। छात्र नेता का मूल्य इस आधार पर तय होने लगता है कि वह कितनी भीड़ जुटा सकता है, कितने नारे लगा सकता है या किस बड़े नेता के साथ मंच साझा कर सकता है। ज्ञान, वैचारिक स्वतंत्रता, नीति की समझ और लोकतांत्रिक शुचिता पीछे छूट जाती है। यह छात्र राजनीति नहीं, राजनीति का छात्र-करण है। छात्रों को राजनीतिक चेतना अवश्य चाहिए, लेकिन राजनीतिक गुलामी नहीं। उन्हें विचारधारा समझनी चाहिए, लेकिन अपनी बुद्धि किसी दल के पास गिरवी नहीं रखनी चाहिए। उन्हें सत्ता से प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन विपक्ष से भी वही प्रश्न पूछने का साहस रखना चाहिए। जो छात्र सत्ता के विरुद्ध प्रश्न पूछता है, उसे विपक्ष की विफलताओं पर भी प्रश्न पूछना चाहिए। जो दल आज छात्र आंदोलन के समर्थन में खड़ा है, उससे यह भी पूछा जाना चाहिए कि जब वह सत्ता में था, तब उसने क्या किया था।

लोकतंत्र में छात्र वोट बैंक नहीं हैं। वे किसी दल की निजी संपत्ति नहीं हैं। उनके सपनों पर किसी राजनीतिक संगठन का स्वामित्व नहीं है। उनका भविष्य किसी नेता की चुनावी रणनीति का कच्चा माल नहीं हो सकता। लेकिन राजनीतिक अवसरवाद की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह किसी भी वास्तविक पीड़ा को अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने से नहीं चूकता। जनता की परेशानी हो, किसान का संकट हो, बेरोजगार का आक्रोश हो या छात्र का आंदोलन—अवसरवादी राजनीति हर जगह अपने लिए मंच तलाश लेती है। उसे समस्या के समाधान से अधिक समस्या के राजनीतिक उपयोग में रुचि होती है। क्योंकि समस्या समाप्त होगी तो आंदोलन समाप्त होगा। आंदोलन समाप्त होगा तो मंच समाप्त होगा। मंच समाप्त होगा तो कैमरे हट जाएंगे। और कैमरे हटे तो राजनीतिक अस्तित्व का संकट सामने आ जाएगा। यही कारण है कि अनेक राजनीतिक शक्तियां समस्याओं के समाधान की राजनीति नहीं, समस्याओं के स्थायीकरण की राजनीति करती हैं। वे बेरोजगारी पर भाषण देती हैं, लेकिन रोजगार सृजन की ठोस नीति पर मौन रहती हैं। वे शिक्षा व्यवस्था की बदहाली पर आंसू बहाती हैं, लेकिन अपने शासनकाल की विफलताओं का हिसाब नहीं देतीं। वे छात्र अधिकारों का झंडा उठाती हैं, लेकिन छात्र संगठनों के भीतर लोकतंत्र, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग से बचती हैं। सत्ता और विपक्ष—दोनों को यह समझना होगा कि छात्र आंदोलनों को केवल राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज करना भी उतना ही खतरनाक है। छात्रों की हर आवाज को बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप का परिणाम मान लेना प्रशासनिक अहंकार है। यदि छात्र बार-बार सड़कों पर उतर रहे हैं, तो व्यवस्था को यह पूछना चाहिए कि आखिर विश्वविद्यालयों और प्रशासनिक संस्थानों में ऐसा क्या है, जिसके कारण संवाद के दरवाजे बंद हो रहे हैं। सरकारें और विश्वविद्यालय प्रशासन यदि शिकायतों का समयबद्ध समाधान करें, निर्णयों में पारदर्शिता लाएं और छात्रों से संवाद बनाए रखें, तो राजनीतिक दलों के लिए असंतोष को हड़पना कठिन होगा। लोकतंत्र में असहमति को दबाने से असहमति समाप्त नहीं होती। निलंबन, मुकदमे और दमन से प्रश्न खत्म नहीं होते; वे केवल भीतर जमा होते हैं और किसी दिन अधिक विस्फोटक रूप में सामने आते हैं। लेकिन छात्र आंदोलनों को भी आत्ममंथन करना होगा। आंदोलन का अर्थ हिंसा नहीं है। असहमति का अर्थ अराजकता नहीं है। विरोध का अर्थ सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करना नहीं है। लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा भी आवश्यक है। यदि छात्र आंदोलन हिंसा, तोड़फोड़ और राजनीतिक निर्देशों का उपकरण बन जाएंगे, तो उनका नैतिक बल स्वयं कमजोर हो जाएगा। युवा शक्ति को सबसे पहले यह तय करना होगा कि वह किसके लिए संघर्ष कर रही है—अपने भविष्य के लिए या किसी राजनीतिक दल के वर्तमान के लिए। यह प्रश्न आज निर्णायक है। क्योंकि अनेक राजनीतिक दलों का वर्तमान संकट युवाओं के भविष्य पर टिका हुआ दिखाई देता है। जिन दलों की जनसाख कमजोर हो रही है, वे छात्र आंदोलनों में अपनी नई राजनीतिक जमीन खोजते हैं। जिन नेताओं की विश्वसनीयता घट रही है, वे युवा आक्रोश के बीच अपना चेहरा पुनः चमकाने का प्रयास करते हैं। जिन संगठनों के पास स्पष्ट नीति नहीं होती, वे विरोध को ही अपनी नीति बना लेते हैं। लेकिन विरोध शासन का विकल्प नहीं है। नारा नीति का विकल्प नहीं है। भीड़ जनसमर्थन का प्रमाण नहीं है। और कैमरे के सामने दिखाई देना जनसेवा का प्रमाण नहीं है।

एक देह का विदा होना, कई घरों में सूर्योदय बन सकता है

प्रो. आरके जैन
लेखक

जीवन का सबसे कठिन संघर्ष अक्सर अस्पताल की चारदीवारी के भीतर लिखा जाता है, जहाँ हर साँस उम्मीद और समय के बीच अंतिम संवाद बन जाती है। कहीं माँ की प्रार्थनाएँ बेटे की धड़कनों का सहारा हैं, कहीं पिता की आँखें बेटी के लिए एक अंग की प्रतीक्षा में हैं, तो कहीं एक मासूम अनजान है कि उसका कल किसी अजनबी के निर्णय पर टिका है। विज्ञान ने एक देह से कई जीवनों को फिर धड़काने की शक्ति पा ली है, लेकिन संवेदनहीन व्यवस्था सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इसलिए भारत में अंगदान केवल चिकित्सा नहीं, हमारी सामूहिक मानवता की परीक्षा है। जब तक यह संवेदना सशक्त नीतियों में नहीं उतरती, तब तक प्रतीक्षा सूची का हर नाम किसी मरीज का नहीं, बल्कि अधूरी ज़िंदगी की मौन पुकार बना रहेगा। संवेदनशील समाज केवल उपदेश नहीं देता, बल्कि करुणा को व्यवस्था का आधार बनाता है। अमेरिका के मिशिगन राज्य ने इसे कानून का रूप दिया है। वहाँ जीवित अंगदाता बनने वाले कर्मचारी के लिए नियोक्ता को 12 सप्ताह के वेतन के बराबर टैक्स क्रेडिट मिलता है। यह केवल आर्थिक प्रोत्साहन नहीं, बल्कि जीवन बचाने के निर्णय का सम्मान है। इससे कर्मचारी को न नौकरी खोने का डर रहता है, न आय घटने की चिंता, और नियोक्ता भी बिना अतिरिक्त बोझ के उसका साथ दे सकता है। भारत में निजी क्षेत्र के अनेक कर्मचारी इच्छा होने पर भी आर्थिक असुरक्षा के कारण अंगदान का साहस नहीं जुटा पाते। ऐसे में यह मॉडल संवेदना और व्यवस्था का प्रभावी उदाहरण बन सकता है। भारत की सबसे बड़ी कमी अंगदान की इच्छा नहीं, बल्कि उसे संभव बनाने वाली व्यवस्था है। अधिकांश प्रत्यारोपण आज भी जीवित रिश्तेदारों के दान पर निर्भर हैं, जबकि मृतक अंगदान की दर प्रति मिलियन आबादी पर एक से भी कम है। हर वर्ष लगभग 1.6 लाख सड़क दुर्घटना मौतों के बावजूद केवल 1,000-1,200 मृतक अंगदान हो पाते हैं। इसके विपरीत, स्पेन ने यह दर 48 प्रति मिलियन तक पहुँचा दी है। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (नॉटो) के अनुसार 2025 में लगभग 20 हजार प्रत्यारोपण हुए, जबकि आवश्यकता इससे कहीं अधिक है। हर वर्ष लाखों लोग अंगों की प्रतीक्षा में दम तोड़ देते हैं। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि अंगदान को राष्ट्रीय सामाजिक संपदा न मानने वाली नीतिगत सोच का परिणाम है। जहाँ लोग अंगों के अभाव में मरें, वहाँ संकट संसाधनों का नहीं, दृष्टिकोण का होता है।

किसी अनजान को जीवन देने का साहस तभी जन्म लेता है, जब व्यवस्था सुरक्षा का विश्वास दे। भारत में अंगदान की सबसे बड़ी बाधा चिकित्सा नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा है। परिवार की हिचक, उपचार का खर्च, लंबी रिकवरी और नौकरी का भय लोगों को पीछे हटा देता है। मिशिगन मॉडल इसी समस्या का समाधान देता है। यदि भारत में भी कंपनियों को कर प्रोत्साहन मिले, तो वे कर्मचारियों को सवेतन अवकाश दे सकेंगी। आज 82 हजार से अधिक लोग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में हैं, जबकि एक मृतक अंगदाता आठ से दस जीवन बचा सकता है। कई बार एक संवेदनशील नीति, हजारों अपीलों से अधिक जीवन बचा देती है। यदि भारत इस दिशा में निर्णायक पहल करे, तो उसका प्रभाव केवल प्रत्यारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व की परिभाषा भी बदलेगी। अस्पताल बनाना और उपकरण दान करना महत्वपूर्ण है, पर अब अपने कर्मचारियों की जीवनदायी संवेदना को संरक्षण देना भी आवश्यक है। मिशिगन की तर्ज पर कर प्रोत्साहन मिलने पर कंपनियाँ सवेतन अवकाश के साथ उपचार, रिकवरी और पुनर्वास में सहयोग दे सकेंगी। यह ऐसा निवेश होगा, जिसका प्रतिफल बैलेंस शीट में नहीं, बल्कि बची हुई धड़कनों और लौटी मुस्कानों में दिखाई देगा। इसके साथ नॉटो और राज्य स्तरीय अंगदान नेटवर्क का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि दान और प्रत्यारोपण के बीच समय की दूरी घट सके। भारत के कुछ राज्यों ने साबित किया है कि अंगदान की दिशा संसाधनों से नहीं, संकल्प और सुदृढ़ व्यवस्था से बदलती है। तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना इसके उदाहरण हैं, जबकि उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्य अब भी पीछे हैं। मध्य प्रदेश सरकार दानकताओं को 'गॉड ऑफ ऑनर' का सम्मान देकर उन्हें समाज का हीरो बनाती है। यह अंतर सुविधाओं से अधिक नीतिगत प्राथमिकताओं का है। यदि केंद्र सरकार निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ समान राष्ट्रीय नीति लागू करे, तो यह असमानता सिमट सकती है। भरोसेमंद प्रत्यारोपण तंत्र न केवल लाखों जीवन बचाएगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल टूरिज्म का विश्वसनीय केंद्र भी बना सकता है। स्थायी परिवर्तन तब जन्म लेते हैं, जब नीति, समाज और संस्थाएँ एक ही लक्ष्य के साथ आगे बढ़ती हैं। अंगदान भी इसका अपवाद नहीं है। सरकार नीतिगत संरक्षण दे, उद्योग जगत आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करे और स्वयंसेवी संस्थाएँ जनजागरण का दायित्व निभाएँ—यही साझेदारी इस अभियान को जनआंदोलन बना सकती है। भारत में 4.8 लाख से अधिक नागरिक मृत्यु के बाद अंगदान के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। यह प्रमाण है कि संवेदना का अभाव नहीं, बल्कि भरोसे की कमी है। जिस दिन हर दानकर्ता परिवार को सम्मान और सुरक्षा का विश्वास मिलेगा, उसी दिन यह संख्या कई गुना बढ़ सकती है। आखिरकार प्रश्न केवल अंगदान का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जो करुणा को साहस में बदल सके। भारत में अंगदान अब केवल व्यक्तिगत सद्कर्म नहीं, बल्कि सार्वजनिक नीति और सामाजिक सहभागिता का विषय बनना चाहिए। मिशिगन का मॉडल बताता है कि नीतिगत संरक्षण मिलने पर संवेदना हजारों परिवारों के लिए आशा बन जाती है। प्रतीक्षा सूची का हर नाम केवल एक मरीज नहीं, बल्कि पूरे परिवार के अधूरे भविष्य का प्रतीक है। आवश्यकता केवल अंगदान बढ़ाने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जहाँ जीवन बचाने वाला व्यक्ति स्वयं असुरक्षा का शिकार न बने। जिस दिन यह विश्वास स्थापित होगा, अंगदान अभियान नहीं, भारत की मानवीय चेतना का स्वाभाविक संस्कार बन जाएगा।

मन में करुणा रखिए आवेश नहीं

किशन भावनानीं

कविता

अपने भीतर करुणा रखिए,आवेश को दूर बहा दीजिए,
बादल बनकर जीवन को शीतलता का वर दीजिए।
वर्षा की कोमल बूँदों से ही हर उपवन मुस्काता है,
गर्जन केवल शोर मचाता,प्रेम ही फूल खिलाता है।

जब मन में संवेदना जागे,रिश्तों में मधुमास उतरता है,
सूखी डाली का हर पत्ता फिर से हरियाली धरता है।
क्रोध क्षणिक अंगार बनकर अपने ही घर को जलाता है,
करुणा का निर्मल जल जीवन का हर ताप बुझाता है।

वाणी में यदि मधुरता होगी,मन का दर्पण स्वच्छ रहेगा,
सद्भावों का दीप जले तो हर अँधियारा क्षीण रहेगा।
कटु शब्दों की आँधी अक्सर विश्वासों को तोड़ देती है,
स्नेहिल भाषा की वर्षा टूटी डोरों को जोड़ देती है।

क्षमा जहाँ मुस्कान बनती,वहीं प्रेम का वृक्ष पनपता है,
दया जहाँ आधार बनती,हर मानव ऊँचा उठता है।
बल का सच्चा अर्थ वही है जो निर्बल को थाम सके,
जीत वही जो हर घायल मन को फिर से हँसना सिखा सके।

अपने भीतर करुणा का निर्मल सागर बहने दो,
आवेश के काले बादल को हर पल चुपचाप ढहने दो।
किशन पुष्प सदा वर्षा की ममता से ही खिलते हैं,
गर्जना नहीं,प्रेम की बूँदें ही संसार बदलते हैं।

सत्य सास्वत है, धन तथा मस्तिष्क का अतिरेक वर्जित

संजीव ठाकुर
लेखक

मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित 'सत्यमेव जयते' आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है। यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे। आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निदेर्शों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पुलिस ने महालक्ष्मी ज्वेलर्स चोरी कांड का किया खुलासा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पुलिस ने नगर पंचायत शोहरतगढ़ के मेन रोड स्थित गड़ाकुल में महालक्ष्मी ज्वेलर्स में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए नेपाल निवासी एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के सोने के आभूषण (पीली धातु) तथा 1500 रुपये नगद भारतीय मुद्रा बरामद कर शुक्रवार को गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया।

आपको बता दें कि गड़ाकुल स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक शिवम सोनी पुत्र स्व0 वेदप्रकाश सोनी, निवासी वार्ड नं0-04 दशरथनगर कस्बा शोहरतगढ़ ने थाना शोहरतगढ़ में तहरीर देकर बताया था कि उनकी मेन रोड, गड़ाकुल स्थित दुकान का विगत 17 की रात करीब 1:30 बजे अज्ञात चोरों ने शटर और ताला तोड़कर दुकान में रखे सोने के आभूषण तथा कुछ नगदी चोरी कर ली थी। काफी खोजबीन के बाद भी चोरों का पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की थी।इस तहरीर के आधार पर थाना शोहरतगढ़ में मुकदमा अपराध संख्या 152/2026 पंजीकृत किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर फ्लाईवुड तिराहा, कस्बा शोहरतगढ़ के पास संदिग्ध व्यक्ति की चेकिंग के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान 20 वर्षीय निरंजन केवट उर्फ भोला पुत्र रामचन्द्र केवट, निवासी ग्राम हथौसा, थाना तौलिहवा, जिला कपिलवस्तु (नेपाल) के रूप में हुई। उसके कब्जे से 03 ब्रेसलेट, 02 जोड़ी कंगन, 09 अंगूठियां, 02 नेकलेस, 02 जोड़ी कान के टॉप्स, 05 मंगलसूत्र (लॉकेट सहित), 01 हार तथा 1500 रुपये नगद बरामद किये गये। वहीं पुलिस के मुताबिक बरामद सभी आभूषण चोरी की घटना से सम्बन्धित हैं।इस दौरान गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सन्तोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दयानन्द, हेड कांस्टेबल अजय कुमार, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव, हेड कांस्टेबल प्रभाकर यादव तथा हेड कांस्टेबल सतीश कुमार सिंह शामिल रहे।

शिवांगी सिंह का पीसीएस व दीक्षा का आईपीएस में चयन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नूरपुर। लाल बहादुर सिंह स्मारक महाविद्यालय गोहवार बिजनोर में एक सम्मान समारोह कार्यक्रम किया गया जिसमें महाविद्यालय में अध्ययनरत रही छात्रा शिवांगी सिंह पुत्री डॉ धनजंय सिंह ने बिहार पीसीएस (PCS) में परीक्षा उत्तीर्ण कर 615 रैंक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। अपनी स्नातक की परीक्षा गोहावर स्थित महाविद्यालय से उत्तीर्ण की। साथ की दूसरी छात्रा दीक्षा ने आईपीएस (IPS) की परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एल०बी०एस०एस० ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के अध्यक्ष कुँवर रवेंद्र कुमार चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने संबोधित करते हुए बताया कि कैसे एक मध्यम वर्ग की छात्रा अपनी कड़ी मेहनत और मजबूत इरादों के आधार पर एक अच्छा मुकाम हासिल कर सकती है। आज के समय मे बेटी किसी माँ बाप पर बोझ नही होती। बल्कि माँ बाप का मान होती है कार्यक्रम में शिवांगी सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत कर छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ हरीश कुमार ने किया। कुँवर रवेंद्र कुमार ने शिवांगी सिंह को सील्ड भेट कर समानित किया । प्रबन्द समिति के सदस्य कुँवर अर्नव सिंह ने दीक्षा को समानित किया।कार्यक्रम में डॉ महेश कुमार, डॉ जी० एस० कश्यप, डॉ उदयवीर सिंह, डॉ नृपेंद्र शर्मा, डॉ सविता रानी, डॉ गायत्री देवी आदि महाविद्यालय स्टाफ व छात्र छात्रा उपस्तिथि रहे।

6 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के आरोपी को सिम्भावली पुलिस ने किया गिरफ्तार

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 वर्षीय नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार थाना सिम्भावली में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 192/2026 में धारा 65(2) बीएनएस एवं 5एम/6 पॉक्सो एक्ट के तहत वांछित अभियुक्त सईद पुत्र वकील, निवासी ग्राम मंगलाल, थाना मुंडाली, जनपद मेरठ (हाल निवासी गांव औरंगाबाद, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़) को सिखेड़ा फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से नामजद एवं वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संजय कुमार, हेड कांस्टेबल फरमान तथा कांस्टेबल उदयवीर सिंह शामिल रहे।

मछुआरों की कड़ी मशक्कत से 24 घन्टे बाद मिले तीनों युवकों के शव

वेलकम इंडिया ब्यूरो

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के बानगंगा नदी के बैदौली घाट पर दाह संस्कार के बाद स्नान करने के दौरान डूबे तीन नवयुवकों के शव आखिरकार करीब 24 घन्टे बाद बरामद कर लिए गये। प्रशासन, एसडीआरएफ और स्थानीय मछुआरा समुदाय के पेशेवर गोताखोरों की कड़ी मशक्कत के बाद शुक्रवार को जाल की मदद से तीनों शव नदी से बाहर निकाले गये। शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। घटना बीते गुरुवार अपराह्न करीब 1:30 बजे की है। मधवापुर टोला मिझुनिया गांव निवासी शिवा चौहान, रवि वरुण और मोनू वरुण गांव की बुजुर्ग महिला कंचन के दाह संस्कार में शामिल होने बैदौली घाट पहुंचे थे। दाह संस्कार के बाद तीनों युवक बाणगंगा नदी में स्नान करने उतर गये, तभी गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आने से लापता हो गये।

वहीं आस-पास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर प्रशासन और एसडीआरएफ ने देर शाम तक तलाश किया, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। शुक्रवार सुबह नई डहर गांव के मछुआरा समुदाय के पेशेवर गोताखोरों ने बड़े-बड़े जाल डालकर दोबारा खोज अभियान शुरू किया।

कई घन्टे की कड़ी मशक्कत के बाद तीनों युवकों के शव नदी से बरामद कर लिए गये। शव मिलने के बाद रवि वरुण और मोनू वरुण के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और दोनों शवों को अपने साथ घर ले गये। वहीं शिवा चौहान के शव का पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मछुआरा समुदाय के लोगों की मेहनत की सराहना करते हुए विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने 7,000 रुपये सहित थाना प्रभारी शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह ने 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। कुल 12,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर उनके प्रयासों की सराहना की गई।विधायक विनय वर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर शोकाकुल परिवारों को सांत्वना दी और हरसम्भव मदद का भरोसा दिलाया। वहीं घटनास्थल पर उपजिलाधिकारी राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी, तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव, थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, लेखपाल आशीष संगम, निरीक्षक अवधेश पाण्डेय, सांसद प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश पाण्डेय, रोशन श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान धर्मवीर, राम अचल, समाजसेवीव भाजपा नेता श्याम जायसवाल, भारतीय मानवाधिकार परिवार के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र रूंगटा, व्यवसायी दुर्गेश गुप्ता, अनिल अग्रहरि समेत अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

ऑपरेशन तलाशः बहादुरगढ़ पुलिस ने 4 वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम तथा वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन तलाश' अभियान के तहत थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। हापुड़ पुलिस ने बताया कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

कविताओं की महफिल सजाकर दी प्रोफेसर दिनकर को बधाई

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के पिलखुवा नगर के स्थित क्षेत्र के प्रतिष्ठित राणा शिक्षा शिविर महाविद्यालय में यहाँ के पूर्व प्राचार्य, अंतर्राष्ट्रीय कवि, प्रोफेसर वागीश दिनकर को उत्कृष्ट शिक्षण हेतु प्रदान किए गए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए बधाई देने वालों का ताँता लगा रहा। इस अवसर पर कविता की महफिल सजाई गई। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि डॉ.ओमपाल सिंह विकट एवं ओज के दमदार स्वर सौरभ राणा को आमंत्रित किया गया।

बुधवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 38 वें दीक्षांत समारोह के दौरान मूल रूप से धौलाना के निवासी, विश्विद्यालय के सबसे ज्येष्ठ प्रोफेसर, समस्त विश्विद्यालय में एकमात्र डी. लिट. डिग्री धारक, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रोफेसर वागीश दिनकर को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उत्कृष्ट शिक्षण के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया।जिससे पूरे जनपद में हर्ष का माहौल बन गया। उन्हें बधाई देने वालों का ताँता लगा हुआ है।

इसी क्रम में यह कविता की महफिल सजाई गई। यह महफिल लगभग दो घंटे चली। डॉ.ओमपाल सिंह विकट ने आधुनिक महाभारत, महाभारत का दोषी कौन नामक कविताएं सुनाई।

जबकि सौरभ राणा ने खेती किसानी, माता पिता व ओज विषय पर अनेक छंद सुनाकर वाह वाही लूटी। महफिल में लोग अंत तक जमे रहे। प्रोफेसर दिनकर ने इस उपलब्धि को अपने माता पिता विद्यालय परिवार व साठा चौरासी क्षेत्र के प्यार व सहयोग के नाम करते हुए कहा कि अब उन पर जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने सभी बधाई देने वालों का हृदय तल से आभार व्यक्त किया।

यहाँ पर कार्यालय प्रभारी योगेन्द्र सिंह चौहान, रेशु तोमर, योगेश तोमर, योगेश कुमार, अजय कुमार सहित महाविद्यालय परिवार के समस्त लोग मौजूद रहे।

2027 में विजय होगी भाजपा की सरकार पूर्व केबिनेट मंत्री सुरेश राणा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के बाबूगढ़ के राजवंश फार्म हाउस में गुरुवार की शाम पहुंचे उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने कहा कि देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार तेजी से विकास कर रही है। गांव भी अब शहर की तरह दिखाई पड़ते हैं। इस अवसर पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। सुरेश राणा को किसानों ने पगड़ी पहनाकर, हल देकर, 101 किलो की फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मीडिया से बात करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि सरकार किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सपनों को साकार कर रही है। राष्ट्रीय लोक दल भी अब एनडीए का हिस्सा है। देश में तेजी से विकास हो रहा है। 2027 में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। कार्यक्रम में हापुड़ नवदीप,संदीप,प्रदीप, हापुड़ विधायक विजयपाल आढती,गढ़ विधायक हरेंद्र तेवतिया,पूर्व चेयरमेन हापुड़ नगर पालिका परिषद प्रफुल्ल सारस्वत, विकास चौधरी जिला पंचायत सदस्य पति सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

ग्राम संगिनी संवाद में महिलाओं की भागीदारी पर जोर, मुबारिकपुर सलामपुर में आयोजित हुई महिला एवं बाल सभा

सीडीओ श्रुति शर्मा ने कहा– पंचायत स्तर पर महिलाओं की आवाज को सशक्त बनाना और नेतृत्व विकास ही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के ग्राम पंचायत मुबारिकपुर सलामपुर विकास खण्ड सिम्भावली में महिला एवं बाल सभा 'ग्राम संगिनी संवाद' का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, लेखपाल, आशा कार्यकर्ता, ए.एन.एम. (ANM), आंगनबाड़ी कार्यकत्री, स्वयं सहायता समूह (SHG) के सदस्य, बी.सी. सखी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उक्त सभा में ग्रामीण महिलाओं की उपस्थिति अच्छी रही, जो सराहनीय है।इस सभा का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की आवाज को पंचायत स्तर तक प्रभावी रूप से पहुँचाना, स्थानीय नीति-निर्धारण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, महिला नेतृत्व का विकास करना तथा कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना है। ग्राम प्रशासक/प्रधान द्वारा गत वर्ष में किए गए विकास कार्य और उनकी लागत को पढ़ कर सुनाया गया।महिला संगिनी संवाद के समय प्राप्त शिकायतों के निवारण हेतु अधिकारियों की जवाबदेही तय हो गई है और महिला सभा के द्वारा समय सीमा निर्धारित की गई है जिसका आकलन हर माह ग्राम स्तर पर बैठकों के द्वारा निरंतर किया जाएगा। इसी प्रकार महिला एवं बाल सभा का आयोजन जनपद के सभी ग्रामों में किया जाएगा।

प्राथमिक विद्यालय दोहनी में हरिशंकरी पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर की बांसी रेंज के तत्वावधान में विकासखंड जोगिया स्थित प्राथमिक विद्यालय दोहनी परिसर में हरिशंकरी पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधों का संयुक्त रूप से रोपण कर अभियान का शुभारंभ किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि हरिशंकरी भारतीय संस्कृति, प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है। इन वृक्षों का संयुक्त रोपण पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता संरक्षण तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने लोगों से पौधरोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल करने की भी अपील की। कार्यक्रम में जनपद स्तरीय अधिकारियों, वन विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने भी पौधरोपण किया। क्षेत्रीय वन अधिकारी बांसी शिवकुमार गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। वहीं जनपद की सभी वन रेंजों में भी हरिशंकरी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस अवसर पर डीएफओ नीला एम. और एसडीओ वीना तिवारी आदि मौजूद रहें।

पॉलीथिन उपयोग पर दस दुकानदारों से वसूला जुमार्ना

नगर निगम ने चलाया कोर्ट रोड पर प्रतिबंधित पॉलीथिन और प्लास्टिक के खिलाफ अभियान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम ने प्रतिबंधित पॉलीथिन और प्लास्टिक के खिलाफ महानगर में अभियान चलाते हुए आज करीब दो दर्जन दुकानों की सघन जांच की। इस दौरान दस दुकानों से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलिथिन जब्त कर दुकानदारों से मौके पर दस हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित पॉलीथिन के उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण के लिए जोनल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार मिश्र एवं प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल एच.बी. गुरुंग के नेतृत्व में आज अभियान चलाया गया। आज कोर्ट रोड पर जब निगम अधिकारियों ने जांच शुरू की तो दुकानदारों में खलबली मच गयी।

इस दौरान करीब दो दर्जन दुकानदारों की जांच की गयी। 10 दुकानदारों को प्रतिबंधित पॉलीथिन उपयोग करते हुए पाया गया। उक्त सभी दुकानदारों से पॉलीथिन जब्त कर उनसे दस हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया।

जोनल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार मिश्र ने दुकानदारों से कहा कि प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए बेहद हानिकारक है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में यदि कोई भी दुकानदार पॉलीथिन का उपयोग या बिक्री करते हुए पाया गया, तो उसके खिलाफ और अधिक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दुकान सील करना की कार्रवाई भी शामिल है। प्रवर्तन दल अधिकारी कर्नल एच.बी. गुरुंग ने व्यापारियों से अपील की कि वे नगर को स्वच्छ और पॉलीथिन मुक्त बनाने में प्रशासन का सहयोग करें तथा पॉलीथिन के स्थान पर कपड़े या जूट के थैलों का प्रयोग सुनिश्चित करें।

कार्रवाई के दौरान सफाई निरीक्षक मनोज कुमार, आशीष धौलाखंडी व नीरज कर्णवाल के अलावा प्रवर्तन दल के जवान मौजूद रहे।

उर्वरक वितरण में अनियमितता पर दो खाद विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लोटन/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को अपर जिला कृषि अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी (कृषि) लोटन की संयुक्त टीम ने विकासखंड लोटन क्षेत्र के निजी उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान मेसर्स कृष्णा खाद भंडार, चनरैया और श्यामदेव खाद विक्रेता, जाफरजोत में उर्वरक वितरण में अनियमितता तथा अभिलेखों में कमियां पाई गईं।

इस पर दोनों प्रतिष्ठानों के उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि उर्वरक का वितरण नियमानुसार ही करें।

प्रत्येक किसान की खतौनी, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर का विवरण वितरण रजिस्टर में दर्ज करना अनिवार्य होगा। साथ ही किसानों को उनकी फसल की आवश्यकता के अनुसार निर्धारित मात्रा में ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खुनुवां बॉर्डर पर एसएसबी, पुलिस और कस्टम की संयुक्त बैठक

एंटी स्मगलिंग अभियान के तहत गश्त, सघन चेकिंग और समन्वय बैठक आयोजित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी की रोकथाम और सीमा सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सिद्धार्थनगर की सीमा चौकी खुनुवां द्वारा एंटी स्मगलिंग अभियान के तहत संयुक्त गश्त, सघन चेकिंग अभियान और समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान एसएसबी, पुलिस और कस्टम विभाग की संयुक्त टीम ने सीमा क्षेत्र में गहन निगरानी करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की। साथ ही भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी की रोकथाम, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा प्रभावी सीमा सुरक्षा को लेकर आपसी समन्वय बढ़ाने और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सीमा पर तैनात सभी एजेंसियों ने तस्करी के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने, नियमित संयुक्त गश्त चलाने तथा सूचना साझा करने पर सहमति व्यक्त की।इस अवसर पर पुलिस चौकी प्रभारी सुरेश यादव, एसएसबी उपनिरीक्षक पंकज सिंह तथा कस्टम निरीक्षक कपूर सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, दिए समाधान के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक जन समस्या का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनहित एवं सुशासन के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरकार का दायित्व है। प्रत्येक अधिकारी जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए जनता की समस्याओं के समाधान में पूर्ण संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व का परिचय दें।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित आयुक्त गढ़वाल श्री आनंद स्वरूप एवं आईजी गढ़वाल श्री राजीव स्वरूप को प्राप्त जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान जिला अथवा विभागीय स्तर पर संभव है, उनका तत्काल निस्तारण किया जाए तथा जिन प्रकरणों में उच्च स्तर पर निर्णय अपेक्षित है, उन्हें शीघ्र आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया जाए।

मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने तथा वन्यजीव आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने पर बल

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। सचिवालय में आयोजित राज्य वन्यजीव बोर्ड एवं राज्य स्तरीय बाघ संचालन समिति की बैठक में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने तथा वन्यजीव आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस एवं समयबद्ध कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आगामी हरिद्वार कुंभ के दौरान मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल की तैनाती सुनिश्चित करने, वन्यजीव गलियारों के संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और स्थानीय लोगों की आजीविका के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही वन्यजीव संघर्ष के दौरान दूसरों की जान बचाने वाले साहसी नागरिकों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में बाघ संरक्षण के लिए कैमरा ट्रैप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी और वैज्ञानिक प्रबंधन प्रणाली को और सुदृढ़ बनाया जाए साथ ही प्राकृतिक जल स्रोतों एवं चारागाहों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।

छह सूत्रीय मांगों को लेकर भाकियू (धर्मेंद्र गुट) का प्रदर्शन, एसडीएम रुदौली को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

रुदौली अयोध्या। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन धर्मेंद्र गुट के प्रदेश प्रभारी माया राम यादव की अगुवाई में युवा जिला अध्यक्ष हरी लाल यादव द्वारा विभिन्न समस्याओं को लेकर एक छ,: सूत्रीय ज्ञापन उप जिला अधिकारी रुदौली को सौपा गया जिसमें ग्राम सिपहिया कोटवा विकासखंड मवई में बीएलओ द्वारा अनैतिक रूप से जायज नाम को काटने नाबालिक शादीशुदा व बाहरी नाम को जोड़ने ग्राम सिपहिया कोटवा से नेवरा जाने वाली डामर रोड पर 84 कोसी परिक्रमा पर मिट्टी डालने वाले डंपरों के आने जाने से जगह-जगह गड्ढा युक्त होने पर मरम्मत कराए जाने तथा ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई कराये जाने जल जीवन मिशन के द्वारा सिपहिया कोटवा के ग्राम कोटवा में जलापूर्ति हेतु पाइपलाइन डलवाने ग्राम पंचायत कुड़िरा विकासखंड मवई में पंचायत सचिव द्वारा 1 साल में ग्राम निधि से प्रधानपति वअन्य सगे संबंधियों के नाम कई लाख की मजदूरी करना दिखाकर तथा सादे बिल वाउचर लगाकर धन निकालकर भ्रष्टाचार किया गया ग्राम पंचायत मवई के टन डेरा के पास पीडब्ल्यूडी की रोड पर जो पुलिया बनी थी जिसकी रेलिंग खत्म हो गई है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं तत्काल रेलिंग बनवाने हेतु ग्राम ओहरामऊ विकासखंड मवई में चकमार्ग गाटा संख्या 335 की पैमाइश कराकर पटाई कराए जाने के संबंध में आदि समस्याओं का निराकरण यदि 4 अगस्त तक नहीं कराया गया तो मजबूर होकर 5 अगस्त 2026 से तहसील परिसर रुदौली पर धरना प्रदर्शन के लिए बात ही होना पड़ेगा जिसमें किसी भी अप्रिय घटना की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विभाग व शासन प्रशासन की होगी ज्ञापन देने वालों में बाबा संग्राम यादव रामजीत यादव रामनरेश संदीप कुमार जुबेर अहमद सत्य प्रकाश त्रिभुवन राम सिंह हर करन अमरकेश शमशेर यादव जयप्रकाश रामचंद्र हरिराम पुत्तीलाल भाईलाल राहुल कुमार इरफान अहमद तरहां आदि काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा 'कट्टर' और पूरनपुर विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव फिर हाउस अरेस्ट, कार्यकर्ताओं में आक्रोश

विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप, सपा नेताओं ने कहा- लोकतांत्रिक अधिकारों का हो रहा हनन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर और 129 विधानसभा पूरनपुर के अध्यक्ष संजय सिंह यादव को पुलिस प्रशासन द्वारा एक बार फिर उनके आवास पर हाउस अरेस्ट किए जाने का मामला सामने आया है। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं में आक्रोश फैल गया। पार्टी नेताओं ने पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए इसे विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास करार दिया।

सपा नेताओं का आरोप है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और लोकतांत्रिक गतिविधियों में शामिल होने वाले विपक्षी नेताओं पर लगातार प्रशासनिक दबाव बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने, अपनी आवाज उठाने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। ऐसे में किसी राजनीतिक दल के नेताओं को उनके ही घरों में नजरबंद किया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने कहा कि हाउस अरेस्ट जैसी कार्रवाई से सरकार और प्रशासन विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि विपक्षी नेता शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने के लिए भी स्वतंत्र नहीं हैं तो फिर लोकतंत्र में जनता की आवाज किस प्रकार सामने आएगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को सम्मान देना जरूरी है और विपक्ष को अपनी बात रखने से रोकना किसी भी स्थिति में उचित नहीं माना जा सकता।

सपा नेताओं ने कहा कि नरेंद्र मिश्रा 'कट्टर' और संजय सिंह यादव को दोबारा हाउस अरेस्ट किए जाने की कार्रवाई से पार्टी कार्यकताओं में रोष है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की कार्रवाई से समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं का मनोबल कमजोर होने वाला नहीं है। पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। समाजवादी पार्टी ने कहा कि पार्टी का संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के मुद्दों को लेकर है। नेताओं ने कहा कि प्रशासन चाहे जितनी पाबंदियां लगाए, समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता जनता की समस्याओं और अधिकारों को लेकर अपनी आवाज उठाते रहेंगे। पार्टी ने प्रशासन से लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करते हुए विपक्षी नेताओं के अधिकारों का सम्मान करने की मांग की है।

गणेशगंज पूर्वी वार्ड में लगा ठंडे पानी का फ्रीजर, सभासदों ने मिठाई बांटकर किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। नगर पालिका परिषद पूरनपुर की ओर से नगरवासियों को गर्मी के मौसम में ठंडा और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में सराहनीय पहल की गई है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता की ओर से मोहल्ला गणेशगंज पूर्वी स्थित वार्ड संख्या 20 में ठंडे पानी की सुविधा के लिए फ्रीजर लगाया गया है। इसका शुभारंभ सभासद नादिर रजा बरकाती और तौफीक अहमद कादरी ने मिठाई वितरण कर किया।फ्रीजर लगाए जाने से वार्ड के लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता सहित दोनों सभासदों का आभार जताते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौरान राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को ठंडा पानी उपलब्ध कराने के लिए लगाया गया फ्रीजर बेहद उपयोगी साबित होगा। लोगों ने पालिका की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करना जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है।सभासदों ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े, इसी उद्देश्य से फ्रीजर की व्यवस्था कराई गई है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद क्षेत्र में नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की उपलब्धता से आम लोगों के साथ-साथ बाजार आने वाले राहगीरों को भी राहत मिलेगी।स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि नगर पालिका परिषद की ओर से भविष्य में भी इसी तरह के जनसरोकार से जुड़े कार्य जारी रहेंगे। लोगों ने कहा कि गर्मी के मौसम में ठंडे पानी की सुविधा विशेष रूप से जरूरतमंदों, बुजुर्गों और राहगीरों के लिए काफी राहत देने वाली है।इस अवसर पर तौफीक अहमद कादरी, इमरान पप्पू शाह, मोहम्मद अखलाक, सकरुल्ला, भूरा, हबीब अहमद, उषा मिश्रा, पुष्प कुमार, मोहित सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

आगरा-ग्वालियर हाईवे पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 10 तेंदुओं की खाल और सिर के साथ चार वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

आगरा। वन्यजीव तस्करी के खिलाफ वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। थाना सैंया क्षेत्र में आगरा-ग्वालियर हाईवे स्थित एक होटल पर छापेमारी कर वन विभाग की टीम ने चार कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 10 तेंदुओं की खाल और उनके सिर बरामद किए गए हैं। बरामदगी के बाद वन विभाग ने सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वन रेंजर खेरागढ़ सम्यक सिंह केन और फतेहाबाद रेंजर विशाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने हाईवे स्थित एक होटल में छापा मारा। कार्रवाई के दौरान चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई, जिसमें उनके पास से 10 तेंदुओं की खाल और सिर बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम भोगीराम, भगत सिंह, सतपाल और गब्बर बताए। प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि तेंदुओं की खाल मध्य प्रदेश के शिवपुरी क्षेत्र से लाकर दिल्ली, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में ऊंचे दामों पर बेचते थे। वन विभाग ने बरामद वन्यजीव अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर इस अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बरामद खालें किन क्षेत्रों से लाई गईं और इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वन्यजीव तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

चार महीने बाद भी नहीं मिला इंसाफ, पिता ने सीएम से लगाई गुहार

जहरखुरानी से छात्र की मौत के मामले में फिर गरमाई जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जहरखुरानी से छात्र की मौत के मामले में चार महीने बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार में आक्रोश है।

मृतक छात्र संदीप कुमार के पिता मनोज कुमार ने एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत प्रदेश के आला अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। शिकायत के बाद मामला फिर चर्चा में आ गया है।

माधौपुर निवासी मनोज कुमार का कहना है कि 13 अप्रैल को उनके 21 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार को गांव के कुछ लोगों ने फुसलाकर अपने घर बुलाया और कथित रूप से जहरीली मिठाई खिलाई, जिससे उसकी मौत हो गई।

मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अब तक किसी भी नामजद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।पीड़ित का आरोप है कि दियोरिया कला पुलिस विसरा रिपोर्ट का हवाला देकर कार्रवाई टाल रही है।

साथ ही विवेचक पर आरोपियों से मिलीभगत कर मामले में फाइनल रिपोर्ट लगाने की तैयारी करने का भी आरोप लगाया गया है। उनका कहना है कि उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी मदद मांगी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पीड़ित पिता ने मुख्यमंत्री से मामले की जांच किसी अन्य थाने या स्वतंत्र एजेंसी से कराने, संबंधित पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच कराने और नामजद आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने की मांग की है।

मामले को लेकर क्षेत्र में भी तरह-तरह की चचाएं हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उच्चाधिकारियों के स्तर से इस शिकायत पर क्या कार्रवाई होती है।

जटपुरा में मां के पास जा रही सात वर्षीय बच्ची लापता, तेंदुआ उठा ले जाने की आशंका से दहशत

दूसरे दिन भी तलाश जारी, खेतों और जंगल के आसपास वन विभाग की टीमें कर रहीं निगरानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कोतवाली क्षेत्र के गांव जटपुरा में गुरुवार शाम मां के पास जा रही सात वर्षीय बच्ची के रहस्यमय ढंग से लापता होने के बाद गांव में हड़कंप मच गया। बच्ची के लापता होने की जानकारी मिलते ही परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उसकी तलाश में जुट गए। वहीं, बच्ची को तेंदुए के उठा ले जाने की आशंका जताए जाने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। सूचना पर वन विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और देर रात तक बच्ची की तलाश कराई गई। शुक्रवार सुबह से एक बार फिर ग्रामीणों और वनकर्मियों ने खेतों तथा आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन शुरू कर दी।बताया गया कि गांव निवासी गोधनलाल की पत्नी मीरा देवी गांव के बाहर स्थित सूखा बाबा धार्मिक स्थल के पास मवेशी चरा रही थीं। इसी दौरान उनकी सात वर्षीय बेटी अंशिका घर से अपनी मां के पास जाने के लिए निकली थी। ग्रामीणों के अनुसार बच्ची को धार्मिक स्थल की ओर जाते हुए देखा गया था,लेकिन इसके बाद वह अचानक लापता हो गई। काफी समय बीतने के बाद भी जब बच्ची मां के पास नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। आसपास के खेतों, रास्तों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई, लेकिन बच्ची का कोई पता नहीं चल सका। बच्ची के लापता होने की खबर फैलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि क्षेत्र में सक्रिय तेंदुआ बच्ची को उठा ले गया होगा। बताया गया कि देर रात खेतों की ओर तेंदुआ देखे जाने की चर्चा भी ग्रामीणों में रही। गांव के पास पीलीभीत टाइगर रिजर्व की हरिपुर रेंज का जंगल होने के कारण क्षेत्र में अक्सर वन्यजीवों की आवाजाही बनी रहती है। अंधेरा अधिक होने के कारण रात में खेतों के अंदर तक तलाश करना मुश्किल रहा। तलाश के दौरान ग्रामीणों और वनकर्मियों के बीच किसी बात को लेकर नोकझोंक भी हुई। सामाजिक वानिकी के रेंजर सोबरन लाल ने बताया कि सूचना मिलते ही सामाजिक वानिकी और हरिपुर रेंज की टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। फिलहाल आसपास तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई है। वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और बच्ची की तलाश जारी है।

उमराह के सफर पर रवाना हुआ धुंधरी का परिवार, लोगों ने दी दुआओं के साथ विदाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। अमरिया क्षेत्र के गांव धुंधरी से हाफिज कारी मौलाना तसलीम रजा अपने पिता नूर अहमद, पत्नी शाहीन फातिमा और छह वर्षीय पुत्र गुलाम गौस के साथ शुक्रवार को पवित्र उमराह की यात्रा के लिए मक्का और मदीना रवाना हुए। परिवार के उमराह के लिए रवाना होने की खबर पर गांव और क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने पहुंचकर जायरीनों को मुबारकबाद दी और उनकी सुखद यात्रा के लिए दुआ की।उमराह के सफर पर रवाना होने से एक दिन पहले गुरुवार को हाफिज कारी मौलाना तसलीम रजा के निवास पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम मीलाद-ए-मुस्तफा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के दर्जनों आलिम, कारी और शोरा-ए-इकराम ने शिरकत की। इस दौरान नात-ए-पाक और मनकबत पेश की गईं, जिन्हें सुनकर मौजूद लोगों ने नारे-ए-तकबीर और दरूद- ओ-सलाम का नजराना पेश किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लालहो अलैह की मुबारक जिंदगी और उनकी शिक्षाओं पर विस्तार से रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि पैगंबर- ए- इस्लाम ने पूरी मानवता को प्रेम, भाईचारे, इंसानियत, अमन और सद्भाव का संदेश दिया। सभी लोगों से उनके बताए रास्ते पर चलने और उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने की अपील की गई। इस दौरान उमराह की फजीलत और इसके अरकान अदा करने के तरीकों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। जायरीनों को उमराह के दौरान की जाने वाली जरूरी इबादतों और धार्मिक रस्मों के बारे में बताया गया। शुक्रवार को उमराह के लिए रवाना होने के दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग उनके निवास पर पहुंचे।

घर से लापता दो किशोर गजरौला पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपे

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव राजीव नगर से घर से लापता हुए दो किशोरों को गजरौला पुलिस ने सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। दोनों किशोरों के सुरक्षित मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए आभार जताया। जानकारी के अनुसार गांव राजीव नगर निवासी मोहम्मद बारिस पुत्र शाकिर अपने पड़ोसी दोस्त इस्लामुद्दीन के साथ घर से घूमने के लिए निकले थे। दोनों किशोर काफी देर तक वापस नहीं लौटे तो परिजनों को उनकी चिंता सताने लगी। परिजनों ने आसपास के संभावित स्थानों पर दोनों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मामले की जानकारी पूरनपुर पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने भी किशोरों की तलाश शुरू कर दी।

इसी दौरान गुरुवार रात गजरौला थाना क्षेत्र में पुलिस को दो किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए दिखाई दिए। पुलिसकर्मियों ने दोनों को रोककर उनसे पूछताछ की और उन्हें थाने ले आए। पूछताछ के दौरान दोनों किशोरों ने अपना नाम और पता बताया। जानकारी की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने तत्काल उनके परिजनों से संपर्क कर दोनों के सकुशल बरामद होने की सूचना दी। बच्चों के मिलने की खबर सुनते ही परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई।

परिजन रात करीब 10 बजे गजरौला थाने पहुंचे और पुलिस से मुलाकात की। आवश्यक पूछताछ और औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने दोनों किशोरों को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चों को सुरक्षित देखकर परिजनों की चिंता दूर हुई और उन्होंने पुलिस का धन्यवाद किया। परिजनों ने बताया कि दोनों किशोरों के अचानक घर से गायब होने के बाद परिवार के लोग काफी परेशान थे और लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। पुलिस की सक्रियता से दोनों बच्चों के सकुशल मिल जाने पर परिवार ने राहत महसूस की। पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्र में भी सराहना की जा रही है।

ऑल इंडिया मुतवल्लियान कॉन्फ्रेंस में वक्फ के खिलाफ साज़िशों को नाकाम बनाने के लिए पारदर्शी प्रबंधन और कानूनी तैयारी पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ जारी सामाजिक और कानूनी संघर्ष के बीच आज जमीयत उलेमा-ए-हिंद के तत्वावधान में ऐवान-ए-गालिब, नई दिल्ली में ऑल इंडिया मुतवल्लियान कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता सैयद शाह हाफि ज मोहम्मद अली अल-हुसैनी, सज्जादानशीन दरगाह हजरत ख़्वाजा बंदा नवाज गेसूदराज (रह.), गुलबर्गा शरीफ ने की। स्वागत भाषण जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी ने दिया, जबकि संचालन मौलाना मुफ़्ती हस्सान कासमी ने किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि वक्फ केवल संपत्ति नहीं, बल्कि अल्लाह की अमानत और इस्लामी सभ्यता का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इसलिए इसकी सुरक्षा, अभिलेखों का संरक्षण और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी लड़ाई लड़ना भी इबादत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वक्फ की सुरक्षा केवल मुतवल्लियों का मामला नहीं, बल्कि पूरी उम्मत की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'जिस कौम ने अपनी अमानतों की हिफाजत छोड़ दी, इतिहास ने भी उसकी हिफाजत छोड़ दी।' मौलाना मदनी ने कहा कि वक्फ संस्थानों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उनमें बाहरी खतरों के साथ-साथ हमारी अपनी लापरवाही, कमजोर प्रशासन और दस्तावेजों की उपेक्षा भी शामिल है। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार से अपील की कि हर परिस्थिति में न्याय और संवैधानिक मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।उन्होंने कहा, 'न्याय किसी एक समुदाय पर किया जाने वाला एहसान नहीं है, बल्कि राज्य की सबसे बड़ी शक्ति है। कानून का सम्मान तभी कायम रहता है, जब वह सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू हो।' मौलाना मदनी ने मुतवल्लियों से अपील की कि वे वक्फ संपत्तियों का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखें, उसे डिजिटल स्वरूप में तैयार करें, वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करें, नियमित ऑडिट कराएं तथा अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई करें। उन्होंने वंशानुगत प्रबंधन की उस प्रवृत्ति से बचने की भी सलाह दी जो संस्थाओं की विश्वसनीयता और मूल भावना को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में वक्फ की सुरक्षा के लिए आंशिक नहीं बल्कि पूर्णकालिक प्रयासों की आवश्यकता है। 'यदि हम ईमानदारी, योजनाबद्ध ढंग और निरंतर परिश्रम के साथ काम करें, योग्य लोगों को तैयार करें और पूरी उम्मत को इस मिशन से जोड़ें, तो अल्लाह हमारी कोशिशों को स्वीकार करेगा और वक्फ के खिलाफ होने वाली हर साज़िश को नाकाम बनाएगा।' पटना उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति इकबाल अंसारी ने कहा कि जहां मुतवल्ली मौजूद हैं, वहीं वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण और कानूनी मामलों में सबसे अधिक कठिनाइयाँ सामने आती हैं। इसलिए मुतवल्लियों को अपनी जिम्मेदारियों का विशेष रूप से एहसास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता के बीच उत्पन्न विवादों का निर्णय अदालतों को संविधान की सीमाओं के भीतर रहकर करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में यह कहना कठिन होता जा रहा है कि न्यायालय पूरी तरह न्यायोचित ढंग से कार्य कर रहे हैं। मरकजी जमीयत अहले हदीस हिंद के अमीर मौलाना असगर अली इमाम महदी सलफी ने कहा कि वक्फ की जिम्मेदारी केवल मुतवल्लियों या सरकार पर नहीं डाली जा सकती, बल्कि पूरी उम्मत और समाज को इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष मलिक मोतासिम खाँ ने कहा कि वक्फ संस्थाओं को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जों और विवादों का एक बड़ा कारण कुछ मुतवल्लियों की लापरवाही तथा वक्फ संपत्तियों को निजी संपत्ति समझने की प्रवृत्ति है, जिससे वक्फ को गंभीर नुकसान पहुँचा है। अपने अध्यक्षीय भाषण में सैयद शाह मोहम्मद अली अल-हुसैनी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में वक्फ संरक्षण आंदोलनों के कारण समाज में वक्फ के प्रति उल्लेखनीय जागरूकता आई है, जिसे और अधिक संगठित करने की आवश्यकता है।

दीवार निर्माण को लेकर दो पक्षों में मारपीट, दोनों पक्षों ने की कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव सुन्ना में दीवार निर्माण को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई।दोनों पक्ष थाने पहुंचे और एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को थाना क्षेत्र के गांव सुन्ना निवासी फारूक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने पुराने मकान का निर्माण कार्य करा रहे हैं। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाली एक महिला और उसके परिजन निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे हैं तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।वहीं दूसरे पक्ष की समीना पत्नी खलील ने आरोप लगाया कि फारूक और उसके परिजन जबरन उनकी दीवार पर कब्जा कर लिंटर डालने का प्रयास कर रहे हैं। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई तथा छेड़छाड़ भी की गई। महिला ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने दोनों पक्षों को जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है पुलिस जांच में जुटी हुई है।

भारत स्काउट और गाइड संस्था का प्रधानाचार्य प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज खलीलाबाद में भारत स्काउट और गाइड संस्था द्वारा आयोजित प्रधानाचार्य प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यायुक्त व जिला विद्यालय उपेंद्र कुमार व संचालन जिला सचिव रवि प्रकाश ने किया। जिला सचिव रवि प्रकाश ने जनपद में स्काउट गाइड प्रशिक्षण की कार्य योजना व आय व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार ने कहा कि जनपद के सभी विद्यालयों में स्काउट गाइड की गतिविधियां संचालित किये जाएंगे। इसकी मॉनिटरिंग जिला स्काउट संस्था के पदाधिकारी के द्वारा किया जाएगा। सभी सहायता प्राप्त राजकीय विद्यालय अपने तीन माह का स्काउट गाइड का शुल्क जिला कोष में जमा कर दें। प्रधानाचार्य विद्यालय में दाल पंजीकरण, नवीनीकरण एवं प्रशिक्षण के कार्य में तेजी लाएं। किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में तय किया गया कि जिला एवं मंडल रैली के लिए रामनरेश चौधरी इंटर कॉलेज रामपुर सरकारी में आयोजित होगा। अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में बेसिक स्काउट मास्टर कोर्स,गाइड कैप्टन कोर्स एवं एडवांस कोर्स गाइड कैप्टन तथा राज्यपाल पुरस्कार कोर्स मुमताज सहायक प्रादेशिक आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती सुषमा यादव जिला गाइड कमिश्नर निशा यादव जिला स्काउट कमिश्नर डॉ राकेश सिंह जिला कोषाध्यक्ष डॉ राकेश चौधरी सहायक आयुक्त संगठन राजदेव त्रिपाठी, सहायक आयुक्त संजय द्विवेदी सहायक आयुक्त,गाइड नीलम राय सहायक आयुक्त,योगेंद्र सिंह जिला स्काउट रिसोर्सेस कमिश्नर डॉक्टर अभिषेक कुमार सिंह, प्रधानाचार्य हीरालाल अरुणकुमार ओझा, जिला संगठन कमिश्नर रमेश चंद यादव, गाइड कमिश्नर बबीता, रजिया,सैफ अली, शोएब अखतर, शिवाकांत चौधरी, विकास कुमार सहित सभी काउंसलर उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड संस्था के जिला सहायक आयुक्त बने संजय द्विवेदी

हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज खलीलाबाद में आयोजित जिला स्काउट गाइड योजना की बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार की मौजूदगी में ए. एच. एग्री.इंटर कॉलेज दुधारा के प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी को स्काउट गाइड संस्था का सहायक आयुक्त, संत कबीर नगर नियुक्त किया गया है।

जुगाड़ की टक्कर से साइकिल सवार किशोर गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के बाईपास मार्ग स्थित इंटर कॉलेज के निकट तेज रफ्तार जुगाड़ की टक्कर से साइकिल सवार 13 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शुक्रवार को थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी कौसर का 13 वर्षीय पुत्र अमरीश किसी कार्य से साइकिल पर सवार होकर कस्बे के बाईपास मार्ग से गुजर रहा था। आरोप है कि पीछे से तेज गति और लापरवाही से आ रहे जुगाड़ चालक ने साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही किशोर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद किशोर की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, हादसे के बाद जुगाड़ चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। खबर लिखें जाने तक थाने पर पीड़ित की ओर से तहरीर नहीं दी गई थी।

पुलिस अधीक्षक ने स्वयं दौड़ लगाकर बढ़ाया जवानों का मनोबल, दिया फिटनेस, अनुशासन एवं उत्कृष्ट पुलिसिंग का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परेड में सम्मिलित अधिकारी एवं कर्मचारियों के टर्नआउट, अनुशासन, वर्दी की गुणवत्ता, ड्रिल तथा शारीरिक दक्षता का गहन परीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप साफ-सुथरी एवं उच्च गुणवत्ता की वर्दी धारण करने, अनुशासित कार्यशैली अपनाने तथा आमजन के साथ विनम्र, संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन, शारीरिक दक्षता, कार्यकुशलता एवं उत्कृष्ट व्यवहार ही पुलिस की पहचान हैं और यही गुण जनता के बीच पुलिस की सकारात्मक एवं भरोसेमंद छवि स्थापित करते हैं।

परेड निरीक्षण के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने स्वयं पुलिस कर्मियों के साथ दौड़ लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा नियमित व्यायाम एवं फिटनेस के महत्व का संदेश दिया। इसके साथ ही टोलीवार ड्रिल का अभ्यास कराते हुए अनुशासन, समन्वय एवं एकरूपता पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सदैव स्वस्थ, सक्रिय एवं ड्यूटी के लिए तत्पर रहने हेतु प्रेरित किया। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर मेस, गणना कार्यालय, शस्त्रागार, डायल-112 कार्यालय, यातायात कार्यालय, आर्मी बैरक सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस लाइन परिसर की स्वच्छता, सुव्यवस्था एवं अनुशासित कार्यप्रणाली बनाए रखने हेतु प्रतिसार निरीक्षक को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। साथ ही आदेश कक्ष में गार्ड रजिस्टरों का अवलोकन कर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के संबंध में गार्ड कमांडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

घर के बाहर बाइक खड़ी करने को लेकर विवाद, दो सगे भाइयों को पीटकर किया घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र की नई बस्ती स्थित रामलीला ग्राउंड के निकट घर के बाहर बाइक खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई, जिसमें दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों नें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पीड़ित पक्ष ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र की नई बस्ती निवासी आबिद ने बताया कि पड़ोसी अक्सर उनके घर के बाहर बाइक खड़ी कर देते हैं, जिससे परिवार के लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। आरोप है कि गुरुवार देर रात पड़ोसियों ने घर के बाहर बाइक खड़ी कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया।मारपीट के दौरान आबिद को बचाने पहुंचे उसके भाई साहिल के साथ भी आरोपियों ने मारपीट कर दी। हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ थाना में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस पार्टी समस्या के समाधान को लेकर गंभीर: प्रवीण चन्द्र पाण्डेय

पचदेवरा में आयोजित किया गया संवाद कार्यक्रम

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कांग्रेस पार्टी पचदेवरा की 1991 से व्याप्त समस्या के समाधान के लिए कृतसंकल्प है। समाधान नहीं होने पर पार्टी चुप नहीं बैठेगी। उक्त बातें शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय ने पचदेवरा में आयोजित संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर त्रुटि सुधार की मांग की थी जिस पर डीएम ने निदेशालय को पत्र भेज दिये हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या के प्रति पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दे पर लगातार आवाज बुलंद करती है। उन्होंने देश की मौजूदा हालात की चर्चा करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष जननायक राहुल गाँधी किसानों, युवाओं, छात्रों, समाज के सभी वर्ग के लोगों की समस्याओ को उठाते हैं। आज देश व प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी व नेता प्रतिपक्ष जननायक राहुल गाँधी की तरफ आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। कार्यक्रम को जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद नजीर, जिला उपाध्यक्ष सुनील पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, जिला सचिव अतीक सिद्दीकी, ब्लाक अध्यक्ष मोहम्मद अकरम नजीर ने सम्बोधित किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्याय पंचायत अध्यक्ष व आयोजक मोहम्मद रशीद और संचालन सोशल मीडिया विभाग के जिलाध्यक्ष मोहम्मद परवेज अख्तर ने किये। इस अवसर पर प्रधान संदीप कुमार, पूर्व प्रधान राम लल्लू, राकेश कुमार, बशीर अहमद, गयासुद्दीन, फसीउद्दीन, अशफाक अहमद, ओरीलाल, मोतल्लिब, हरिलाल, इल्ताफ अहमद, इश्तियाक अहमद, इम्तियाज अहमद सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने धर्मगुरुओं के साथ की पीस कमेटी की बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस लाइन के टिन शेड सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर की संयुक्त अध्यक्षता में जनपद के धर्मगुरुओं, मंदिरों के महंतों एवं विभिन्न क्षेत्रों के संभ्रांत नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न प्राचीन शिव मंदिरों के धर्मगुरुओं ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सड़क मरम्मत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से संबंधित सुझाव एवं समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर व्यापक साफ-सफाई कराई जाए, कंटीली झाड़ियों की कटाई सुनिश्चित हो तथा श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित स्थानों पर पेयजल, विश्राम एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, प्रमुख शिव मंदिरों, कांवड़ मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, चिकित्सा, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को कांवड़ यात्रा मार्गों का संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाए। विद्युत विभाग को सभी ढीले एवं खुले बिजली के तारों को तत्काल दुरुस्त करने तथा लोक निर्माण विभाग को सभी सड़कों को गड्ढामुक्त कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में प्राप्त सभी सुझावों एवं समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने सभी से अपील की कि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निकाली जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल जिला प्रशासन अथवा पुलिस को सूचना दें, ताकि तत्काल समस्या का निस्तारण कराया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी मांस एवं शराब की दुकानें नियमानुसार बंद रहेंगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान डीजे की तेज आवाज से कई तरह के नुकसान एवं दुर्घटनाओं की संभावना रहती है, इसे देखते हुए शिवभक्त डीजे की आवाज धीमी रखें, अश्लील अथवा धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले गानों को न चलाएं, सुरक्षित तरीके से त्योहारों को मनाए जाने में प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी नई परंपरा की शुरूआत न की जाए। पुलिस अधीक्षक ने त्योहार के दौरान जनपद में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को सुनिश्चित रखने के दृष्टिगत सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिवालयों पर विशेष सतर्कता एवं सुरक्षा व्यवस्था रखी जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य कुमार प्रजापति, अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) आलोक कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी, विभिन्न धर्मगुरु, मंदिर समितियों के प्रतिनिधि एवं जनपद के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

गृहकर-जलकर टैक्स में छूट सितंबर माह तक बढ़ी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। नगर निगम में गृहकर व जलकर पर दी जा रही छूट की समय सीमा 30 सितंबर तक बढ़ा दी गयी है। करदाताओं की सुविधा के लिए कैश काउण्टर पर टैक्स जमा करने का बढ़ाया गया समय यथावत जारी रहेगा। यानि करदाता सुबह आठ बजे से दोपहर साढे.तीन बजे तक कैश काउण्टर पर टैक्स जमा करा सकते हैं। नगरायुक्त शिपू गिरि ने गृहकर व जलकर पर दी जा रही छूट की समय सीमा 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी है। उन्होंने इस सम्बंध में निगम के राजस्व विभाग को आदेश जारी किये है। उन्होंने बताया कि निगम के कैश काउण्टर पर टैक्स जमा कराने के लिए बढ़ाया गया समय यथावत जारी रहेगा। करदाता नयी सुविधा के अनुसार सुबह आठ बजे से दोपहर साढे. तीन बजे तक कैश काउण्टर पर टैक्स जमा करा सकेंगे। नयी व्यवस्था का प्रबंधन व पर्यवेक्षण मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पास रहेगा।

लोहारा गांव में भाकियू महाशक्ति की पंचायत, किसानों की समस्याओं पर अधिकारियों को सौंपे ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। शिकारपुर क्षेत्र के गांव लोहारा में भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) की पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता ठाकुर रमेश सिंह मांगलौर ने की, जबकि संचालन जिला अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र सिरोही ने किया। पंचायत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को गांव में ही बुलाकर किसानों की समस्याओं पर चर्चा की। बिजली विभाग के अधिकारियों को बताया गया कि 63 केवीए ट्रांसफार्मर पर अधिक कनेक्शन होने के कारण ट्रांसफार्मर बार-बार फुंक रहे हैं, जिससे किसानों की फसलें सिंचाई के अभाव में प्रभावित हो रही हैं।

इस संबंध में 63 केवीए और 100 केवीए ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाकर दो 100 केवीए ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग करते हुए 15 दिनों के भीतर कार्रवाई का ज्ञापन सौंपा गया। इसके अलावा सरकारी चकमार भूमि से जुड़े मामलों के निष्पक्ष निस्तारण की मांग की गई।

जिला पंचायत राज अधिकारी, एडीओ पंचायत एवं ग्राम विकास सचिव को गांव की जर्जर और टूटे रास्तों की मरम्मत 15 दिनों के भीतर कराने के लिए ज्ञापन दिया गया। जल निगम के एसडीओ प्रदीप चौधरी को भी गांव में पेयजल आपूर्ति सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने का ज्ञापन सौंपा गया।

पंचायत के दौरान सैकड़ों किसानों और मजदूरों ने भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता पवनेश मीना, चौधरी विक्रम सिंह, बंटी सिंह लोधी, पनश्वेरी चौधरी (नीमखेड़ा), नरेश प्रधान शिकारपुर, चौधरी चंद्रवीर सिंह, चौधरी अमित तोमर, राजकुमार शर्मा, अजीम हुसैन, अरुण सिंह सहित दर्जनों किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस प्रतियोगिता में उप निरीक्षक शारिक बैग ने बढ़ाया जिले का मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश पुलिस की वार्षिक वैज्ञानिक अनुसंधान, पुलिस फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, डॉग स्क्वाड, कम्प्यूटर एवं एंटी सबोटाज प्रतियोगिता-2026 की 69वीं प्रतियोगिता में बुलंदशहर के उप निरीक्षक शारिक बैग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद का नाम रोशन किया। लखनऊ में आयोजित प्रतियोगिता में उप निरीक्षक शारिक बैग ने फोटोग्राफी विवेचक तथा प्रदर्शों की पैकिंग, लेबलिंग एवं फॉरवर्डिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा उन्होंने क्राइम इन्वेस्टिगेशन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल कर उत्तर प्रदेश पुलिस और बुलंदशहर जनपद का गौरव बढ़ाया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर शुक्रवार, 24 जुलाई 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस कार्यालय में उप निरीक्षक शारिक बैग को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर एसएसपी ने उनकी सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा इसे जनपद पुलिस के लिए गर्व का विषय बताया।

प्रबंधक पर लगे अधिक फीस वसूली के आरोप गलत हुए साबित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। कई दिनों से बुगरासी इंटर कालेज के कुछ छात्र कालेज गेट पर जमा होकर हंगामा कर रहे थे कि प्रबंक 400 रुपए अधिक फीस ले रहे हैं। शुक्रवार को कालेज में छात्र प्रबंधक अभिभावक व मिडिया कर्मी व कालेज स्टाप आमने सामने हुए,तो पता चला कि फीस नहीं वसूली गई थी ब्लकिस जमा छात्रों के स्कूल में गैरहाजिर होने पर जुमार्ना किया गया था ,जिसको छात्र अधिक फीस वसूली बता रहे थे,गलत साबित हुआ। कालेज प्रधानाचार्य ने बताया कि बोर्ड की परीक्षा के लिये 75 प्रतिशत हाजरी जरूरी है, इसलिए कालेज तो आना ही पड़ेगा ।जिसका दाखिला नही हुआ है फौरन कराये और रोजाना कालेज आये। प्रबंधक पर फीस वसूली के आरोप गलत साबित हुए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार परेड का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों का टर्नआउट चेक किया गया तथा शस्त्र संचालन, शस्त्र खोलने और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का अभ्यास कराया गया।

एसएसपी ने परेड में शामिल विभिन्न थानों के वाहनों एवं पीआरवी/डायल-112 की गाड़ियों का निरीक्षण किया। उन्होंने नाइट चेकिंग रजिस्टर की समीक्षा की और पीआरवी वाहनों में मेडिकल किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही रेस्पॉन्स टाइम कम करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आदेश कक्ष में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण करते हुए प्रतिसार निरीक्षक को परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, सरकारी संपत्ति की देखभाल करने तथा सरकारी वाहनों की नियमित मेंटेनेंस एवं समय-समय पर जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

अहार में पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, संदिग्ध वाहन व व्यक्तियों की हुई जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। थाना अहार क्षेत्र के गांव पौटा बादशाहपुर स्थित नहर पुल पर शुक्रवार को पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया। उपनिरीक्षक जयवीर सिंह के नेतृत्व में शाम करीब 5 बजे से अहार-जहांगीराबाद रोड स्थित पुलिस चेक पोस्ट पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच की गई। अभियान के दौरान वाहन चालकों के हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, सीट बेल्ट तथा ओवरलोडिंग सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। चेकिंग अभियान को देखकर कई नाबालिग और किशोर मोटरसाइकिल चालक रास्ते से ही वापस लौट गए। वहीं, पुलिस ने कई वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत देते हुए चेतावनी देकर छोड़ दिया। इस दौरान उपनिरीक्षक जयवीर सिंह, कांस्टेबल गौरव बाबू दिवाकर, होमगार्ड कपिल कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

राजघाट पर युवा कांग्रेस ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का किया पिंडदान

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी मिजार्मुराद। युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने बृहस्पतिवार शाम राजघाट स्थित गंगा तट पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का प्रतीकात्मक पिंडदान कर उनके इस्तीफे की मांग की। कार्यक्रम का नेतृत्व युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं संगठन प्रभारी अनुपम राय ने किया। अनुपम राय ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई से देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। सरकार को छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने पेपर लीक के सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद करने तथा नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। इस दौरान राकेश पाण्डेय, धीरज सिंह, शिवम दुबे, दुर्गा साहनी, पांचू साहनी, आयुष सिंह सहित अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार रोडवेज बस को बचाने के प्रयास में यूरिया खाद से भरा ट्रक पलटा

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई/बुलंदशहर। शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। यूरिया खाद से लदा एक ट्रक तेज रफ्तार रोडवेज बस को बचाने के प्रयास में सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया और खाद की अधिकांश बोरियां खाई में बिखर गईं। राहत की बात रही कि चालक सुरक्षित बच गया और कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक भूपेंद्र बुलंदशहर से यूरिया खाद लेकर डिबाई की ओर जा रहा था। दौलतपुर खुर्द भट्टे के पास पहुंचने पर भीमपुर दोराहा की ओर से बुलंदशहर जा रही एक रोडवेज बस ई-रिक्शा को ओवरटेक करते हुए तेज गति से सामने आ गई। संभावित टक्कर से बचने के लिए चालक ने ट्रक को सड़क किनारे उतार दिया। बारिश के कारण सड़क की पटरी गीली और फिसलन भरी होने से ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह खाई में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। ट्रक को खाई से निकालने और यातायात सामान्य कराने के प्रयास शुरू कर दिए गए। दुर्घटना में ट्रक को भारी नुकसान पहुंचा, जबकि चालक पूरी तरह सुरक्षित रहा।

सहकारिता से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना :राजेश मिश्रा

सहकार गोष्ठी में पहुंचे उत्तर प्रदेश सहकारी बैंक के निदेशक का गर्मजोश स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड, शाखा एवं जनपद प्रयागराज द्वारा शुक्रवार को झलवा स्थित कार्यालय में सहकार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक के निदेशक राजेश मिश्रा ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ही विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, कंप्यूटरीकरण तथा कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। साथ ही बंद पड़ी सहकारी समितियों को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी प्रभावी पहल की जा रही है। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी लंबित मांगों के समाधान के लिए शीघ्र प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं वरिष्ठ प्रबंधक रमेश चंद्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में रामजी शुक्ला, अरुण सिंह (पीसीएफ), सहकार भारती के जिला अध्यक्ष गौरव कर्वरिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बैंक कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद आसिफ जमाल, महामंत्री, उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक कर्मचारी संयुक्त परिषद ने किया।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को करीब से समझें विद्यार्थी: सुधीर कुमार गुप्ता

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विद्या भारती द्वारा संचालित रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्र संसद के सांसदों एवं कन्या भारती के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य सुधीर कुमार गुप्ता रहे। विद्यालय अध्यक्ष केशव कुमार गुप्ता, प्रबंधक हर्ष कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष देवेश बंसल, सह प्रबंधक अनुराग गुप्ता तथा उपाध्यक्ष एवं शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे ।कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष केशव कुमार गुप्ता एवं प्रबंधक हर्ष कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि का रोली- तिलक एवं अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र का अनावरण, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। सरस्वती वंदना के बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया ।प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने अतिथियों का परिचय कराया। आचार्य एवं सह संयोजक आशीष जौहरी ने छात्र संसद की प्रस्ताविकी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि छात्र संसद के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन, जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होता है ।मुख्य अतिथि सुधीर कुमार गुप्ता ने कन्या भारती की छात्रा राष्ट्रपति अंशिका सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद छात्र संसद के प्रधानमंत्री कुशाग्र अवस्थी तथा सभी सांसदों को उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई ।संबोधन में सुधीर कुमार गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवा निर्णायक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली, संसद के गठन, सदस्यों के निर्वाचन तथा उनके अधिकारों एवं दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को आगामी विधानसभा सत्र देखने के लिए भी आमंत्रित किया ।शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश का अध्यक्ष बनाए जाने पर मनोज कुमार गुप्ता को सह प्रबंधक एवं कोषाध्यक्ष ने सम्मानित किया। विद्यालय अध्यक्ष केशव कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। संचालन शिक्षिका अंशु वर्मा ने किया। संयोजक रोहित वर्मा एवं सह संयोजक आशीष जौहरी रहे। कार्यक्रम का समापन जलपान एवं वंदे मातरम के साथ हुआ।

पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान, बिना हेलमेट और बिना नंबर प्लेट वाले आठ बाइक चालकों के चालान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बीसलपुर/पीलीभीत। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चुर्रा सकतपुर चौकी पुलिस ने विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। चौकी प्रभारी अंकित यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में सघन चेकिंग करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान बिना हेलमेट, बिना नंबर प्लेट और निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज गति से बाइक चलाने वाले चालकों पर विशेष नजर रखी गई ।चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने कई दोपहिया वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की जांच की।

नियमों का उल्लंघन करते पाए गए आठ बाइक चालकों के चालान किए गए। पुलिस की कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। नियमों की अनदेखी करने से न केवल वाहन चालक की जान खतरे में पड़ती है, बल्कि अन्य राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। चौकी प्रभारी अंकित यादव ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि बाइक चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें और अपने वाहन पर स्पष्ट नंबर प्लेट लगवाएं। इसके साथ ही निर्धारित गति सीमा के भीतर ही वाहन चलाएं तथा ओवरटेक करते समय विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी और अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ रखना भी जरूरी है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। पुलिस टीम ने चेकिंग के साथ-साथ वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही अपने परिवार और परिचितों को भी नियमों के प्रति जागरूक करें, ताकि सड़क हादसों को कम किया जा सके। विशेष चेकिंग अभियान में पुलिस टीम के सदस्य चित्रपाल, अतुल शर्मा, बृजेश, माखनलाल और सतपाल सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

टीआरएम की छात्रा अभिलाषा शर्मा ने सीबीएसई नॉर्थ जोन क्लस्टर शूटिंग प्रतियोगिता में लहराया परचम

कांस्य पदक जीत राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए बनाई जगह

#अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल कक्षा क्क्र-ए की प्रतिभाशाली छात्रा अभिलाषा शर्मा ने सीबीएसई नॉर्थ जोन क्लस्टर शूटिंग प्रतियोगिता की एयर पिस्टल (व्यक्तिगत) स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) अर्जित किया तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। यह चार दिवसीय सीबीएसई नॉर्थ जोन क्लस्टर प्रतियोगिता जेपी पब्लिक स्कूल, कसाना रोड, ग्रेटर नोएडा में आयोजित की गई।

जिसमें विभिन्न राज्यों के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबले के बीच अभिलाषा शर्मा ने अपने उत्कृष्ट निशानेबाजी कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

इस सफलता में विद्यालय की प्रशिक्षक सीमा मलिक का मार्गदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। इसी का परिणाम है कि विद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं।

गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी ने अभिलाषा शर्मा को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहित कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अभिलाषा अपनी लगन, अनुशासन और अथक परिश्रम के बल पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, अपने परिवार तथा प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेगी।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने छात्रा अभिलाषा शर्मा, उनके माता-पिता एवं समस्त परिवार को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह सफलता अभिलाषा की कड़ी मेहनत, उसके परिवार के सहयोग तथा प्रशिक्षक के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है।

उन्होंने अभिलाषा को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह राष्ट्रीय स्तर पर भी विजय प्राप्त कर विद्यालय, अपने परिवार और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेगी तथा अपनी प्रतिभा से नई सफलताओं का इतिहास रचेगी।

हाउस अरेस्ट कर जन आवाज नहीं दबा सकती सरकार: देवव्रत धामा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष देवव्रत धामा को सीजेपी के जंतर-मंतर आंदोलन में शामिल होने से रोकने के लिए प्रशासन ने उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर दिया। इसके बावजूद उन्होंने अपने साथियों को आंदोलन में भाग लेने के लिए जंतर-मंतर रवाना किया और स्वयं अपने आवास पर पूरे दिन लोकतांत्रिक विरोध स्वरूप धरने पर बैठे रहे। हाउस अरेस्ट की सूचना मिलते ही दिन भर समर्थकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों का देवव्रत धामा के आवास पर तांता लगा रहा। सभी ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए सरकार की दमनकारी नीति की कड़ी आलोचना की। हाउस अरेस्ट के दौरान देवव्रत धामा ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित कर सी जे पी की प्रमुख मांगों का समर्थन किया। ज्ञापन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, आंदोलन में शामिल किसी भी युवा पर मुकदमा दर्ज न किए जाने, प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं से माफी मांगने, पेपर लीक प्रकरण में जान गंवाने वाले छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ मुआवजा तथा छात्रों के साथ कथित बर्बरता करने वाले दोषी पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई।धरने के दौरान मुख्य रूप से ठेकेदार बादल कासिम, दीनू खान, कमलेश चौधरी, कृपाल सिंह यादव, सूरज चौधरी, उमर मलिक, राजेश जाटव, इस्लाम कस्सार, हरिओम त्यागी, किसान नेता गौरव त्यागी, राधेश्याम त्यागी, रिंकू त्यागी, मनवीर चौधरी, संदीप त्यागी, शौकीन खान, गुड्डू मलिक सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन मोदीनगर ने नव सत्र के शुभारंभ पर एक मंथन मीटिंग का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन मोदीनगर ने नव सत्र 2026 - 27 के शुभारंभ के अवसर पर एक मंथन मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता महेश उपाध्याय, अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र भारती एवं अंकुर कुमार ने उद्यमी भाइयों से सीधा संवाद किया तथा उद्यमियों द्वारा उठाई गई कमजोर पड़ चुकी कंडक्टर लाइनों को शीघ्र बदलवाने की मांग को अधिकारियों द्वारा विभागीय सुधार योजना में सम्मलित करके बदलवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर आई आई ए के लगातार तीसरे वर्ष चेयरमैन नियुक्त किए गए राज ढींगरा, निर्वाचित केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य बृज मोहन कपूर, नामित केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डा मुकेश गर्ग, संस्था के सेक्रेटरी प्रमोद चौरसिया एवं कोषाध्यक्ष मनोज माहेश्वरी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा दूध और आम की दावत का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक भूपेंद्र अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन संजीव माहेश्वरी, उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता, पंकज जैन, गौरव गुप्ता, राजेश अरोड़ा, सहसचिव विपिन चौधरी, नीरज गुप्ता, आशु अग्रवाल, सचिन गुप्ता, योगेंद्र अग्रवाल तथा रविन्द्र गर्ग सहित सैकड़ों उद्यमी उपस्थित थे।

ऑपरेशन सुरक्षित कांवड़ शुरू: एसीपी उपासना पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस का मेगा सुरक्षा ब्लूप्रिंट तैयार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद पुलिस ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को सहायक पुलिस आयुक्त (कोतवाली नगर) एवं कांवड़ यात्रा की नोडल अधिकारी उपासना पाण्डेय ने सभी 144 कांवड़ बीट प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक गोष्ठी आयोजित की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों की निगरानी, श्रद्धालुओं की सुविधा तथा आपसी समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

गोष्ठी में एसीपी उपासना पाण्डेय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांवड़ यात्रा केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा महापर्व है। ऐसे में प्रत्येक पुलिसकर्मी का व्यवहार सेवा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना से परिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं को यह विश्वास दिलाना भी है कि उनकी यात्रा हर स्तर पर सुरक्षित और सुगम रहेगी। उपासना पाण्डेय ने सभी 144 बीट प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें और किसी भी प्रकार की सूचना या शिकायत मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी समस्या का कारण बन सकती है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी पूरी सतर्कता और जवाबदेही के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाए।

बैठक के दौरान उन्होंने संवेदनशील स्थलों, प्रमुख चौराहों, कांवड़ मार्गों, शिविरों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी बीट प्रभारी स्थानीय लोगों, शिविर संचालकों, स्वयंसेवकों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखें, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत निर्णय लेकर व्यवस्था को सामान्य रखा जा सके। एसीपी उपासना पाण्डेय ने पुलिस अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि ड्यूटी के दौरान श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस की सकारात्मक छवि तभी बनेगी जब श्रद्धालु स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों से संयम, धैर्य और विनम्रता के साथ ड्यूटी करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से यातायात व्यवस्था को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए। कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान मार्गों पर अनावश्यक जाम की स्थिति न बनने दी जाए। यदि कहीं भी भीड़ या अवरोध की स्थिति उत्पन्न होती है तो तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था लागू कर यातायात को सुचारु रखा जाए।

स्थानांतरण पर एसडीओ राम इकबाल ने क्षेत्रवासियों का जताया आभार

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। स्थानांतरण के उपरांत उपखंड अधिकारी (विद्युत) राम इकबाल ने क्षेत्रवासियों एवं विद्युत उपभोक्ताओं के स्नेह, विश्वास और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकाल के दौरान उन्हें क्षेत्रवासियों का भरपूर समर्थन और सम्मान मिला, जिसे वह सदैव याद रखेंगे। राम इकबाल ने कहा कि बिजली विभाग में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उनका निरंतर प्रयास रहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि यदि सेवा अवधि के दौरान अनजाने में किसी प्रकार की त्रुटि हुई हो अथवा किसी उपभोक्ता को असुविधा हुई हो तो उसके लिए वह क्षमाप्रार्थी हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भविष्य में भी बिजली विभाग का सहयोग करने, विद्युत का सुरक्षित उपयोग करने तथा समय पर बिजली बिल का भुगतान कर विभाग की सेवाओं को मजबूत बनाने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि मोदीनगर की जनता का स्नेह और सहयोग उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

जंतर-मंतर प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग, एसीपी भास्कर वर्मा को सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर कथित बल प्रयोग, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, छात्रों पर लाठीचार्ज तथा अन्य घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर शुक्रवार को विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसीपी भास्कर वर्मा को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि जंतर-मंतर पर हुई घटना की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि जांच में किसी पुलिस अधिकारी, कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति की भूमिका कानून के विरुद्ध पाई जाती है तो उसके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। साथ ही घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की भी मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव तरुण जाटव एडवोकेट, समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बल्लू सीकरी, आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष राहुल कलछीना, सम्राट नगर अध्यक्ष शानुज गौतम, दलीप सागर, चमन मास्टर जी, डालचंद तथा ओमप्रकाश निमेष प्रमुख रूप से शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी आखिर कार गिरफ्तार, दो महीने बाद पुलिस को मिली सफलता

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 22 मई 2026 को पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान किशोरी को सकुशल बरामद कर उसके बयान, मेडिकल परीक्षण और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दुष्कर्म, धमकी तथा पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं।

पुलिस ने 23 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर जल प्लांट रोड, क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र से आरोपी कुनाल उर्फ मन्नू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

के. सी. त्यागी के स्वागत के के लिए सिवाल खास विधानसभा में चलाया जनसंपर्क अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय लोकदल के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद के. सी. त्यागी के 26 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे सी.आर.एस. फार्म हाउस, पूठ खास (पुलिस चौकी के पास) आयोजित होने वाले भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह को ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता रणवीर दहिया ने सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हर्रा, खिवाई, भदौड़ा, डालमपुर, मललापुर एवं रोहटा सहित विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। जनसंपर्क अभियान के दौरान रणवीर दहिया ने किसानों, युवाओं, गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात कर 26 जुलाई को अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर के. सी. त्यागी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन करने की अपील की।

इस अवसर पर रणवीर दहिया ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह किसानों, मजदूरों, नौजवानों एवं आम जनमानस के सच्चे हितैषी हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल गांव, किसान और खेत-खलिहान की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पार्टी सदैव किसानों, मजदूरों एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है तथा आगे भी करती रहेगी।

सीडीओ ने कसी शिक्षा विभाग की नकेल, स्कूलों में सुधार और अनुशासन पर जोर

नामांकन, कायाकल्प और छात्र उपस्थिति की होगी कड़ी निगरानी; लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने विद्यालयों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आयोजित बैठक में जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में सीडीओ ने स्कूलों में नामांकन की स्थिति, स्कूल चलो अभियान, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, यूडीआईएसई+ पोर्टल, डीबीटी, पाठ्यपुस्तक वितरण और ऑपरेशन कायाकल्प की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में 19 मूलभूत सुविधाओं को जल्द पूरा किया जाए और छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। बच्चों का स्वच्छ वर्दी में विद्यालय आना, अनुशासन और स्वच्छ वातावरण शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

सीडीओ कुमार सौरभ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग कर शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए, ताकि जिले के विद्यार्थी बेहतर शैक्षिक माहौल में आगे बढ़ सकें।

' सीपी नोएडा का डायल-112 को सख्त संदेश: कांवड़ यात्रा में हर कॉल पर होगी फौरन कार्रवाई'

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नोएडा। आगामी कांवड़ यात्रा और अन्य पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित संपन्न कराने की तैयारियों के तहत पुलिस आयुक्त कार्यालय स्थित ऑडिटोरियम में पुलिस आयुक्त (सीपी) नोएडा ने डायल-112 पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ विशेष गोष्ठी की।

बैठक में सीपी ने त्वरित रिस्पॉन्स प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आमजन की सुविधा, आपसी समन्वय और संवेदनशील पुलिसिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डायल-112 पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक सूचना पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर पुलिस सहायता मिल सके। सीपी ने सभी पुलिसकर्मियों से पूरी निष्ठा, सजगता और तत्परता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस की मुस्तैदी ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। नोएडा पुलिस ने दोहराया कि जनसेवा, सुरक्षा और विश्वास उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिव्यांगों के सपनों को लगे पंख: 'मिशन समर्थ' से ट्राइसाइकिल बनी रोजगार की दुकान

विधायक अजीत पाल त्यागी ने किया शुभारंभ, 50 लाभार्थियों की ट्राइसाइकिलों को मोबाइल शॉप में किया गया विकसित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिव्यांगजनों को सहायता के बजाय सम्मानजनक आजीविका और स्थायी स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक अभिनव और प्रेरणादायी पहल करते हुए नया इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ के विशेष प्रयासों से शुरू किए गए 'मिशन समर्थइ के तहत मोटराइज्ड ट्राइसाइकिलों को चलती-फिरती दुकानों (मोबाइल शॉप) में परिवर्तित कर दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस पहल से लाभार्थी अब अपने घर के आसपास अथवा शहर के विभिन्न स्थानों पर स्वयं का छोटा व्यवसाय संचालित कर सम्मानपूर्वक आजीविका अर्जित कर सकेंगे।

मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अजीत पाल त्यागी, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ तथा मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को रिबन काटकर इस अभिनव योजना का शुभारंभ किया और लाभार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान, नींव शक्ति संस्था की संस्थापक ऋचा वल्लभ खुल्बाई, मोहन मिकीन लिमिटेड के प्रतिनिधि विशाल, ए.डी. सैनी सहित अनेक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि यह पहल केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि दिव्यांगजनों को आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करने की दिशा में एक प्रेरणादायी मॉडल है। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति को अपने परिश्रम से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तभी वह वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर बनता है। सरकार दिव्यांगजनों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को स्थायी स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाना है। उन्होंने कहा कि मिशन समर्थ गाजियाबाद में दिव्यांगजन सशक्तिकरण का एक सफल मॉडल बनकर उभरेगा और भविष्य में अधिकाधिक दिव्यांगजनों को इस योजना से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन अपने पैरों पर खड़ा हो सके और सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ उसे प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि रोजगार आधारित योजनाएं ही सामाजिक सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम हैं और इसी सोच के साथ मिशन समर्थ को धरातल पर उतारा गया है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान ने बताया कि मार्च माह में जनपद के 106 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिलें उपलब्ध कराई गई थीं। उसी क्रम में प्रथम चरण में लगभग 50 लाभार्थियों की ट्राइसाइकिलों को विशेष रूप से अनुकूलित कर उन्हें मोबाइल दुकानों के रूप में विकसित किया गया है। प्रत्येक ट्राइसाइकिल पर मजबूत विक्रय ढांचा तैयार किया गया है तथा प्रारंभिक व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक विक्रय सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे लाभार्थी बिना अतिरिक्त निवेश के अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सफल बनाने में मोहन मिकीन लिमिटेड, मोहन नगर द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत पांच लाख रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। प्रत्येक मोबाइल दुकान तैयार करने में लगभग दस हजार रुपये की लागत आई, जिसमें विशेष संरचना तैयार करने और प्रारंभिक विक्रय सामग्री उपलब्ध कराने पर राशि व्यय की गई। नींव शक्ति संस्था की संस्थापक ऋचा वल्लभ खुल्बाई ने बताया कि जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में संस्था ने लाभार्थियों के चयन, ट्राइसाइकिलों के अनुकूलन, विक्रय सामग्री की व्यवस्था तथा व्यवसाय प्रारंभ कराने तक की पूरी प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि प्रशासन, सामाजिक संस्था और निजी क्षेत्र के समन्वित प्रयासों ने इस योजना को सफल बनाया है। इस परियोजना में सामाजिक भागीदारी का भी प्रेरणादायी उदाहरण देखने को मिला। इंग्राहम इंग्लिश मीडियम स्कूल के लगभग 20 छात्र-छात्राओं ने स्वयंसेवक के रूप में विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग देकर सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन पर नींव शक्ति संस्था की टीम तथा विद्यालय के स्वयंसेवी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। लाभार्थियों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पहले से पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा था, लेकिन अब चलती-फिरती दुकान मिलने से उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की नई शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि अब वे अपने परिवार का भरण-पोषण स्वयं कर सकेंगे और सम्मान के साथ जीवन जीने का सपना साकार होगा।

किसानों को समय पर खाद और फसल बीमा दिलाने के कड़े निर्देश, जमाखोरी और ओवररेटिंग पर होगी कठोर कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। खरीफ सीजन में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने, खाद की कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने तथा फसल बीमा योजना का शत-प्रतिशत लाभ किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने की। बैठक में कृषि, सहकारिता एवं उर्वरक क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के साथ निजी उर्वरक विक्रेताओं ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता, भंडारण, वितरण व्यवस्था तथा किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसानों के हितों का संरक्षण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और किसी भी किसान को खाद की कमी का सामना नहीं करना चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक स्तर पर निगरानी को मजबूत बनाया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान संभावित यातायात परिवर्तन और रूट डायवर्जन को ध्यान में रखते हुए सभी सहकारी एवं गन्ना समितियों पर पहले से ही पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का भंडारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सहकारी समिति में न्यूनतम 25 मीट्रिक टन यूरिया तथा 15 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध रहनी चाहिए, ताकि किसानों को कृषि कार्य के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो और खेती का कार्य निर्बाध रूप से चलता रहे। बैठक में उपस्थित सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि अनुदानित उर्वरकों की बिक्री पूरी तरह पॉस मशीन के माध्यम से ही की जाए। साथ ही उर्वरकों का वितरण किसानों की जोत, फसल की आवश्यकता और शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पारदर्शिता बनाए रखना सभी विक्रेताओं की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने उर्वरक विक्रेताओं को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जमाखोरी, कालाबाजारी, निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने, अनावश्यक उत्पादों की जबरन टैगिंग अथवा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार का आर्थिक शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद की सभी सहकारी समितियों तथा निजी उर्वरक बिक्री केंद्रों का नियमित और आकस्मिक निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण के दौरान उर्वरकों के स्टॉक, बिक्री रजिस्टर और वितरण व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया जाए तथा यदि कहीं भी अनियमितता मिले तो तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में किसानों की सुरक्षा और आर्थिक संरक्षण से जुड़े विषयों पर भी विशेष चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के प्रत्येक पात्र किसान की फसलों का शत-प्रतिशत बीमा कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि, सूखा, ओलावृष्टि अथवा अन्य कारणों से फसल क्षति होने की स्थिति में पात्र किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसानों को आर्थिक राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों की समृद्धि ही प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए खाद की उपलब्धता से लेकर फसल बीमा तक प्रत्येक योजना का लाभ बिना किसी बाधा के किसानों तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। बैठक में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता के प्रतिनिधि, जिला प्रबंधक पीसीएफ, इफको, कृभको तथा जनपद के विभिन्न निजी उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए शासन की मंशा के अनुरूप समन्वित और प्रभावी कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया।

गौतमबुद्ध नगर न्यायालय में स्थापित हुई न्याय की नई पहचान

न्यायमूर्ति अजय भनोट ने किया 'न्याय की मूर्ति' का अनावरण

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर (वेलकम इंडिया)। जिला न्यायालय परिसर में शुक्रवार को आयोजित समारोह में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने ह्यन्याय की मूर्तिह्न का विधिवत अनावरण किया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर गरिमामय माहौल में नजर आया।

अनावरण कार्यक्रम के बाद बार सभागार में न्यायमूर्ति अजय भनोट का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिला दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज भाटी (बोडाकी), सचिव शोभाराम चंदीला समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने उनका अभिनंदन किया।

समारोह में न्यायपालिका और अधिवक्ताओं के बीच बेहतर तालमेल, न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने और न्याय के मूल सिद्धांतों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता, बार एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। न्याय की प्रतिमा के अनावरण से न्यायालय परिसर में न्यायिक गरिमा और मूल्यों को नई मजबूती मिली।

जनसुनवाई में उठीं शहरभर की समस्याएं, गोविंदपुरम, वसुंधरा, नंदग्राम और शालीमार गार्डन को मिली बड़ी राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से शहरवासियों को राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जनसुनवाई के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के सभी प्रमुख नालों पर हुए स्थायी अतिक्रमण को हटाकर व्यापक स्तर पर सफाई कराई जाए, ताकि बरसात के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे और नागरिकों को जलभराव जैसी परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करें।

नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान विभिन्न वार्डों से आए जनप्रतिनिधियों एवं आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को नगर आयुक्त के समक्ष रखा। वार्ड संख्या 37 शालीमार गार्डन के पार्षद रवि भाटी, वार्ड संख्या 32 नंदग्राम के पार्षद सुभाष चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नालों की सफाई, सीवर लाइन की बदहाल स्थिति तथा जलभराव की समस्या को प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा वार्ड संख्या 6 एवं वार्ड संख्या 11 के जनप्रतिनिधियों ने भी बरसात के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं को लेकर प्रभावी कार्रवाई की मांग की। जनसुनवाई के दौरान गोविंदपुरम और वसुंधरा क्षेत्र के आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने नगर आयुक्त को बताया कि कई स्थानों पर नालों पर स्थायी अतिक्रमण होने के कारण सफाई कार्य प्रभावित होता है और बारिश के समय पानी की निकासी रुक जाती है। इस पर नगर आयुक्त ने तत्काल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ऐसे सभी अतिक्रमणों की पहचान कर उन्हें हटाया जाए और नालों की गहन सफाई सुनिश्चित की जाए। नगर आयुक्त ने मौके पर उपस्थित अपर नगर आयुक्त अवनींद्र, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश तथा निर्माण विभाग की टीम को संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाला सफाई का कार्य केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि पूरी गहराई और गुणवत्ता के साथ किया जाए ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो।

टीलामोड़ पुलिस के हत्थे चढ़े गैस सिलेंडर चोर, चार चोरी के सिलेंडर बरामद

रिस्तल रोड पर चेकिंग के दौरान दो आरोपी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना टीलामोड़ पुलिस ने चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए चार खाली गैस सिलेंडर बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई 2026 को थाना टीलामोड़ पुलिस टीम रिस्तल रोड स्थित स्क्रैप गोदाम के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध पाए गए दो युवकों को पकड़कर पूछताछ की। तलाशी लेने पर उनके पास से चोरी के चार गैस सिलेंडर मिले।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आशु पुत्र राजवीर सिंह निवासी करहैड़ा, थाना साहिबाबाद तथा राजू पाल पुत्र भूरे सिंह निवासी रूप नगर, थाना लोनी, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना टीलामोड़ में धारा 305/331(4)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुहाई में जीडीए का गरजा बुलडोजर, अवैध कॉलोनी पर चला कार्रवाई का चाबुक

6000 वर्गमीटर में फैले अनाधिकृत निर्माण ध्वस्त, विरोध के बीच सड़क-बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस किए जमींदोज

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अवैध निमार्णों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दुहाई क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने करीब 6000 वर्गमीटर क्षेत्र में किए गए अनाधिकृत निमार्णों पर बुलडोजर चलाया।

जीडीए के अनुसार दुहाई स्थित खसरा संख्या-471 और 475, मधुबन बापूधाम बी-ब्लॉक के निकट संजीव चौधरी द्वारा किए जा रहे अवैध विकास कार्यों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। टीम ने मौके पर बनी अवैध सड़क, बाउंड्रीवॉल, साइट ऑफिस समेत अन्य निमार्णों को ध्वस्त कर दिया।

कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय लोगों और निर्माणकताओं ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति संभालते हुए अभियान को पूरा कराया। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान जीडीए के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-3 का स्टाफ और प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा।

कांवड़ यात्रा पर गाजियाबाद में ट्रैफिक का महाप्लान, नियम तोड़े तो होगी सख्त कार्रवाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर ली है। शुक्रवार को अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) की अध्यक्षता में आयोजित समन्वय बैठक में पुलिस अधिकारियों, एनएचएआई, रोडवेज, एआरटीओ, ट्रांसपोर्ट यूनियन, बस व ऑटो संचालकों, पेट्रोल-डीजल एसोसिएशन तथा गैस प्लांट प्रबंधकों के साथ रोड डायवर्जन और यातायात प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान लागू होने वाले डायवर्जन प्लान का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। भारी और व्यावसायिक वाहनों को केवल निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से ही गुजरने की अनुमति होगी, जबकि कांवड़ लेन में सामान्य वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। राजमार्गों और कांवड़ मार्गों पर अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों को क्रेन से हटाकर चालान किया जाएगा।

एनएचएआई ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर किसी भी दुर्घटना या वाहन खराब होने की स्थिति में टोल-फ्री हेल्पलाइन 1033 पर सूचना देने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए ग्रीन कॉरिडोर सुनिश्चित रहेगा।

पुलिस ने रोडवेज, निजी बस और ऑटो संचालकों को डायवर्जन के अनुसार संचालन करने तथा यात्रियों को नए रूट और पिक-अप प्वाइंट की जानकारी पहले से देने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा 24 घंटे कांवड़ यातायात कंट्रोल सेल, क्यूआरटी और रिकवरी वाहन संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहेंगे। गाजियाबाद पुलिस ने नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों और डायवर्जन का पालन कर सुरक्षित एवं व्यवस्थित कांवड़ यात्रा-2026 में प्रशासन का सहयोग करें।